संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 248
पृष्ठ 8
गुरूवार
28 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आइसक्रीम खाने के बाद...

विचार- जब सरकारें हास्य से डरती हैं, तो...

खेल- नॉर्वे शतरंज में दिव्या देशमुख...

गृह मंत्रालय के सख्त निर्देश

भारत-पाक सीमा पर चलेगा बुलडोजर

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को देश की सीमाओं के 15 किलोमीटर के दायरे में अवैध निर्माणों के खिलाफ कतई बर्दाश्त न करने की नीति को सख्ती से लागू करने और पिछले कुछ वर्षों में बने ऐसे सभी ढांचों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय ने जिला मजिस्ट्रेटों को सीमावर्ती क्षेत्रों में सभी बैंकों द्वारा बैंकिंग लेनदेन के कानूनी और वित्तीय अनुपालन को सुनिश्चित करने, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन करने, उनके वित्तपोषण स्रोतों की जांच करने, फर्जी खातों और फर्जी कंपनियों का पता लगाने, फर्जी आधार कार्डों की पहचान करने और सीमा पार तस्करी को नियंत्रित करने की बढ़ी हुई जिम्मेदारी सौंपी है। मंगलवार को बीकानेर में एक सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए शाह ने भारत–पाकिस्तान बॉर्डर पर

राजस्थान के बॉर्डर जिलों में सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों का मूल्यांकन किया। इस बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्य के वरिष्ठ अधिकारी और पांच सीमावर्ती जिलों–बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्री गंगानगर और फलोदी के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सीमावर्ती जिलों को अपराधों और मादक पदार्थों की समस्या के स्रोतों, स्वरूपों और नेटवर्क का गहन अध्ययन करने और स्थायी समाधान विकसित करने का निर्देश दिया गया है ताकि ये समस्याएं दोबारा न उभरें। शाह ने नागरिकों, सरकारी तंत्र और सुरक्षा एजेंसियों को शामिल करते हुए प्रत्येक सीमावर्ती जिले के लिए 360 डिग्री सुरक्षा कवच तैयार करने पर जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्री ने अवैध निर्माणों, विशेष रूप से आंतरिक सीमाओं के 0 से 15 किलोमीटर के भीतर, के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति को सख्ती से लागू करने और ऐसी सभी संरचनाओं को ध्वस्त करने का आह्वान किया है। उन्होंने घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी, अतिक्रमण, आतंकवाद के वित्तपोषण और अन्य सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए बीएसएफ, सीबीडीटी, एनसीबी और राज्य तंत्र को शामिल करते हुए सीमा प्रबंधन के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। मंत्रालय के बयान में कहा गया है, अंतिम छोर के शासन को मजबूत करने, आर्थिक अपराधों पर अंकुश लगाने, बुनियादी ढांचे की कमियों को पूरा करने और सीमावर्ती आबादी का समर्थन करने के लिए वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी)–II के सफल कार्यान्वयन पर जोर दिया गया। बैठक में शाह ने सीमावर्ती गांवों में सभी सरकारी योजनाओं की 100 प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया और साइबर अपराधों से निपटने के लिए 1930 कॉल सेंटर के प्रभावी उपयोग का आह्वान किया।

प्यासे व्यक्ति को पानी दें, बढ़ती गर्मी के बीच पीएम की देशवासियों से अपील, बोले

पशु-पक्षियों का भी रखें ख्याल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से अधिकतम सावधानी बरतने का आग्रह किया है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील करते कहा, श्श्पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, बाहर निकलते समय अपने साथ पानी रखें, दूसरों को भी पानी पिलाएंय ऐसी नेक भावना का बहुत महत्व है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बच्चे, बुजुर्ग और बाहर काम करने वाले लोग भीषण गर्मी में खास तौर से असुरक्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी से होने वाली थकावट के लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, श्श्देश के अलग–अलग हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही दैनिक जीवन में गर्मी से होने वाली कई कठिनाइयां भी बढ़ रही हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि जितनी अधिक सावधानी बरत सकें, अवश्य बरतें। कृपया स्वयं को हाइड्रेटेड रखें, घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखें। उन्होंने कहा, श्श्ऐसे मौसम में आपकी संवेदनशीलता भी बहुत बड़ा सहारा बन जाती है। अगर संभव हो, तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी अवश्य दें। मैं ऐसे लोगों की सराहना भी करूंगा जो अपने घरों के और दुकानों के बाहर मटके में जल रखते हैं ताकि कोई भी उनसे पानी पी सके। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, श्श्जब भी संभव हो, अपने माता–पिता, दादा–दादी, नाना–नानी और अन्य प्रियजनों को फोन कर उनका हालचाल अवश्य पूछें। उन्हें पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने और जितना हो सके, आराम करने की सलाह दें। पीएम मोदी ने आगे लिखा, श्श्इस प्रचंड गर्मी में हमें अपने आसपास के पशु–पक्षियों को भी नहीं भूलना चाहिए। अपने घर, बालकनी, छत, दुकान या ऑफिस के बाहर पानी से भरा एक छोटा–सा बर्तन रखना भी किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है।

पेपर लीक मामले में लातूर के डॉक्टर और शिक्षक को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट–यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें लातूर का एक डॉक्टर और पुणे के एक प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान का भौतिकी विज्ञान शिक्षक शामिल है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जांच एजेंसी ने मनोज शिरुरे (लातूर) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने नीट प्रश्न पत्र तैयार करने वाले पी.वी. कुलकर्णी से रसायन विज्ञान के प्रश्न प्राप्त कर तीन छात्रों को उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई। इन तीन छात्रों में रेनुकाई करियर सेंटर (आरसीसी) के संस्थापक शिवराज मोटेगांवकर का बेटा भी शामिल है। मोटेगांवकर को हाल ही में इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी (एपीएमए) के भौतिकी विज्ञान के शिक्षक तेजस हर्षदकुमार शाह को भी गिरफ्तार किया है। शाह पर आरोप है कि उन्हें पहले गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से नीट–यूजी 2026 के भौतिकी विषय के लीक प्रश्न प्राप्त हुए थे। सीबीआई प्रवक्ता ने बयान में कहा, इस मामले में पूरी साजिश और उससे जुड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच तेजी से जारी है। अब तक 49 स्थानों पर छापेमारी की गई है और कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप तथा मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। इस गिरफ्तारी के साथ नीट पेपर लीक मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पेपर लीक के आरोपों के बीच 12 मई को नीट–यूजी परीक्षा रद्द कर दी थी। यह परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को कराने का फैसला लिया गया है। सीबीआई की जांच अब पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, जिसमें कोचिंग संस्थान, प्रश्न पत्र बनाने वाले लोग और छात्रों के बीच के कनेक्शन शामिल हैं। इस मामले ने पूरे देश में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एसआईआर की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने का अधिकार

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के अधिकार को बरकरार रखते हुए कहा कि यह प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक अनिवार्यता को आगे बढ़ाती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने का अधिकार है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने व्यवस्था दी कि यह नहीं कहा जा सकता कि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर का प्रयोग करके अपने वैधानिक अधिकारों की सीमा से बाहर जाकर काम किया है। पीठ ने कहा, हम इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते कि विवादित प्रक्रिया केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए अपनाई गई थी। इसके विपरीत, हम मानते हैं कि चुनावी एसआईआर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक आवश्यकता को बल देता है।

एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं में दावा किया गया था कि संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और उससे संबंधित नियमों के तहत निर्वाचन आयोग को इतने व्यापक स्तर पर एसआईआर कराने का अधिकार नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने 29 जनवरी को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं में गैर–सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका भी शामिल थी। बिहार में एसआईआर अभियान का पहला चरण चलाया गया था। पिछले वर्ष 12 अगस्त को न्यायालय ने मामले में अंतिम बहस शुरू की थी और तब कहा था कि मतदाता सूची में नाम शामिल करना या हटाना निर्वाचन आयोग के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में आता है। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर अभियान के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम सार्वजनिक किए थे। एसआईआर अधिसूचना के अनुसार, जिन मतदाताओं के नाम 2002 या 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, उन्हें उस समय सूची में शामिल किसी व्यक्ति से अपना पैतृक संबंध साबित करना था। एसआईआर प्रक्रिया का बचाव करते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा था कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

कम अटेंडेंस वाले लॉ स्टूडेंट्स नहीं दे पाएंगे एग्जाम

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत कम हाजिरी वाले कानून के छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की उस याचिका पर नोटिस जारी करते हुए दिया, जिसमें कानून के छात्रों के लिए जरुरी हाजिरी के दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों को चुनौती दी गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा, नोटिस जारी करके 21 जुलाई तक जवाब दें। इस बीच विवादित फैसले के पैराग्राफ 249 का असर और ऑपरेशन रुका रहेगा। यह आगे भी हालांकि लागू रहेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि उसके निर्देश उच्च न्यायालय को उनके सामने लंबित मामलों में हाजिरी की जरूरतों से जुड़े ऐसे ही मामलों पर स्वतंत्र फैसला करने से नहीं रोकेंगे। अदालत ने कहा, जहां हाजिरी के मुद्दे पर ऐसे ही मामले लंबित हैं, वहां उच्च न्यायालय सही फैसले ले सकता है। अदालत ने यह भी सवाल किया कि बीसीआई ने उच्च न्यायालय के फैसले को पहले चुनौती क्यों नहीं दी।

सांसद काकोली घोष ने पार्टी के सभी पदों से दिया इस्तीफा

कोलकाता,एजेंसी। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद लगातार झटके लग रहे हैं। बुधवार को पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने टीएमसी के सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। काकोली घोष लंबे समय से पार्टी से जुड़ी रही हैं और उन्हें ममता बनर्जी की करीबी नेताओं में गिना जाता था। काकोली घोष ने हाल ही में बारासात संगठनात्मक जिला अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दिया था। माना जा रहा था कि पार्टी नेतृत्व से नाराजगी के चलते वह बड़ा कदम उठा सकती हैं। अब उनके इस्तीफे ने बंगाल की राजनीति में हलचल और बढ़ा दी है। काकोली घोष लगभग 9 से 10 महीने तक लोकसभा में टीएमसी की चीफ व्हिप रहीं। लेकिन हाल ही में पार्टी ने उन्हें इस जिम्मेदारी से हटाकर कल्याण बनर्जी को नया चीफ व्हिप नियुक्त कर दिया। इस फैसले के बाद से ही उनके असंतोष की खबरें सामने आने लगी थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट भी साझा किया था, जिसमें लिखा था, "1976 से जुड़ाव और 1984 से राजनीतिक सफर शुरू हुआ। आज चार दशकों की वफादारी का यही इनाम मिला है।" इस पोस्ट के बाद राजनीतिक गलियारों में उनके इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई थीं। इस्तीफे से पहले काकोली घोष छह अन्य विधायकों के साथ कल्याणी में आयोजित प्रशासनिक समीक्षा बैठक में शामिल हुई थीं। इस बैठक की अगुवाई शुभेंदु अधिकारी ने की थी। बैठक में टीएमसी के कई विधायक भी मौजूद रहे, जिससे पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चाओं को और बल मिला। सूत्रों के मुताबिक, काकोली घोष ने अपने इस्तीफे के पत्र में चुनावी रणनीतिकार संस्था पीएसी पर भी सवाल उठाए थे। इससे साफ संकेत मिला कि वह पार्टी की कार्यशैली और नेतृत्व के कुछ फैसलों से खुश नहीं थीं। इसी बीच भाजपा सांसद ने दावा किया है कि टीएमसी के करीब 50 विधायक और 20 सांसद पार्टी से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नेतृत्व हरी झंडी देता है, तो बड़ी संख्या में नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। सौमित्र खान ने कहा, "अगर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व एक बार भी हामी भर दे तो टीएमसी नहीं बचेगी। कई विधायक और सांसद पार्टी छोड़ना चाहते हैं।" काकोली घोष के इस्तीफे को टीएमसी के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। चुनावी हार के बाद पार्टी में असंतोष खुलकर सामने आने लगा है।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से आंशिक राहत

जोधपुर,एजेंसी। राजस्थान हाई कोर्ट ने स्वयंभू बाबा आसाराम को बुधवार को आंशिक राहत देते हुए उसे भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत सामूहिक दुष्कर्म और बच्चे के सामूहिक यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया, जबकि नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उसकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा और न्यायमूर्ति योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376(डी) और यौन अपराध संरक्षण अधिनियम की धारा 5(जी)/6 के तहत आसाराम को बरी कर दिया। अदालत ने उसे आपराधिक षड्यंत्र से जुड़ी धारा 120(बी) से भी मुक्त कर दिया। हालांकि खंडपीठ ने नाबालिग से दुष्कर्म से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एफ) के तहत अधीनस्थ अदालत द्वारा आसाराम को सुनाई गई सजा को बरकरार रखा। अदालत ने आसाराम को इस सजा के मद्देनजर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। वह इस समय अस्थायी जमानत पर बाहर है, जिसे सोमवार को सात दिनों के लिए और बढ़ाया गया था। हाई कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की अन्य कई धाराओं के तहत दोषसिद्धि को भी बरकरार रखा।

शुभकामना

ईद-उल-अज़हा के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

सूचना

ईद-उल-अज़हा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक ३० मई को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सावित्री देवी विशेषांक लोकार्पण एवं पर्यावरण पर काव्य गोष्ठी उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

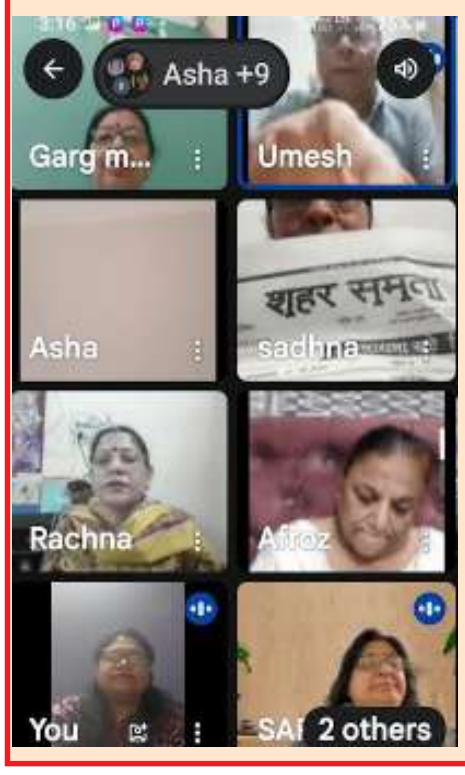

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया।

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनुराधा गर्ग दीप्ति द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

इस काव्य गोष्ठी में सरिता कपूर, अनीता दुबे, अफ़रोज़ अजीज, शशि जायसवाल, साधना खरे, रेणुका पटेल, संतोष मिश्रा आशा जाखड़ सुनीता मिश्रा। रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

सीबीएसई रिजल्ट विवाद पर राहुल गांधी का हमला, बोले,

"यह गलती नहीं, सुनियोजित षड्यंत्र"

चंडीगढ़ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि सीबीएसई परीक्षा परिणामों में "भयंकर हेर–फेर" हुआ है, जिससे लाखों छात्र और उनके अभिभावक सदमे में हैं। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार इस मुद्दे पर न जवाब दे रही है, न जिम्मेदारी ले रही है और न ही शर्म महसूस कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीएसई की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ा ठेका जिस कंपनी (कोएम्प्ट एडुटैक प्राइवेट लिमिटेड) को दिया गया, वह पहले 'ळसवइंतमद' नाम से तेलंगाना में वर्ष 2019 में भी विवादों में घिर चुकी है। राहुल

गांधी ने दावा किया कि कंपनी का नाम बदल गया, लेकिन उसकी कार्यशैली और मंशा वही रही। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि ऐसी कंपनी को 18.5 लाख छात्रों के भविष्य से जुड़ा काम आखिर क्यों सौंपा गया। उन्होंने पूछा कि कोएम्प्ट को सीबीएसई का ठेका किसके निर्देश पर दिया गया और इस प्रक्रिया में किन नियमों तथा प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किया गया। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यदि कंपनी पहले विवादों में रही है तो सीबीएसई द्वारा उसका बैकग्राउंड चेक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कोएम्प्ट प्रबंधन और केंद्र सरकार के बीच संबंधों की भी जांच की मांग उठाई। कांग्रेस नेता ने पूरे मामले की स्वतंत्र न्यायिक जांच और विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग करते हुए कहा कि इस कथित घोटाले के असली दोषियों को सामने लाया जाना चाहिए।

11 हजार दीपों से जगमगाया शृंग्वेरपुर घाट

प्रयागराज। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सोमवार को शृंग्वेरपुर स्थित श्रीराम घाट 11 हजार दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। शृंग्वेरपुर महोत्सव जय श्रीराम सेवा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने दीपदान कर मां

गंगा की आरती की। कार्यक्रम का शुभारंभ शृंग्वेरपुर श्रीराम पद पीठ के पीठाधीश्वर महंत श्रीराम प्रसाद दास शास्त्री महाराज ने किया। उन्होंने कहा कि गंगा दहशहर मां गंगा के धरती पर अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि शृंग्वेरपुरधाम की भूमि धार्मिक और पौराणिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीपांजलि मौर्य, देव मौर्य, शृंग्वेरपुर महोत्सव के संचालक अरुण द्विवेदी, संजय तिवारी, पप्पू त्रिपाठी, मोनू मिश्रा, अनूप यादव, वरुण द्विवेदी, वैभव मिश्रा और लवकुश आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

बार चुनाव में बढ़ी हलचल, विभिन्न पदों पर 25 नामांकन दाखिल

प्रयागराज। तहसील फूलपुर अधिवक्ता संघ के वार्षिक चुनाव 2026 के लिए चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है। नामांकन प्रक्रिया के छठवें दिन तक विभिन्न पदों के लिए अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक अपने पर्चे दाखिल किए, जिससे तहसील परिसर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव अधिकारियों के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए 1, उपाध्यक्ष पद के लिए 2, महामंत्री पद के लिए 1, उप मंत्री पद के लिए 2, ऑडिटर पद के लिए 2, पुस्तकालय अध्यक्ष पद के लिए 1 तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए कुल 13 नामांकन पत्र जमा हुए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी रामचंद्र यादव तथा सहायक चुनाव अधिकारी सृष्टि नाथ तिवारी और त्रिभुवन नाथ ने संयुक्त रूप से बताया कि 10 जून को प्रत्याशियों का दक्षता भाषण आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 12 जून को मतदान संपन्न कराया जाएगा तथा उसी दिन मतगणना कर चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

गंगा में नहाते समय डूबा बालक

प्रयागराज। कंदला कसौधन घाट पर मंगलवार को गंगा नदी में नहाने गए एक बालक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

करीब दो घंटे बाद कंदला कसौधन घाट के पास बालक का शव मिला। ग्रामीण संतलाल निषाद का छह वर्षीय पुत्र समन मंगलवार को सुबह करीब नौ बजे घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच बस्ती के कुछ लोग स्नान करने के लिए घाट की तरफ जा रहे थे। समन भी उनके पीछे–पीछे घाट पर चला गया। इस दौरान नहाते समय वह गंगा नदी में डूब गया। इधर, काफी देर तक समन को घर पर न देखकर परिवार के लोग उसकी तलाश करने लगे। परिजन गंगा घाट पर पहुंचे तो उसके कपड़े पड़े थे। यह देखकर परिजन स्तब्ध रह गए। करीब दो घंटे के बाद घाट से कुछ दूरी पर उसका शव उतराता मिला। बेटे की मौत से मां सुघरा देवी बेसुध हो गई।

परीक्षा निरस्त होने से मायूस हुए परीक्षार्थी

प्रयागराज। एसएसी जीडी की परीक्षा रद्द होने से दूसरे शहरों से आए परीक्षार्थी मायूस हो गए। आजमगढ़ से दूसरी पाली की परीक्षा देने आई अल्का सिंह ने कहा कि तैयारी करने के बाद गर्मी में किसी तरह इतनी दूर से आई थी। परीक्षा रद्द होने से निराश हूं। मऊ की अन्नू सरोज ने बताया कि परीक्षा रद्द होने से मायूस हो गई। इसी प्रकार तीसरी पाली की परीक्षा देने आई आजमगढ़ की खुशी ने कहा कि यह सब सिस्टम की कमी है। बलिया की नंदिनी सिंह ने कहा कि इतनी दूर ट्रेन से मां के साथ आई हूं। इसी प्रकार तीसरी पाली की परीक्षा देने आए प्रतापगढ़ के आलोक, गाजीपुर के दिनेश आदि भी परीक्षा रद्द होने से सिस्टम को कोसते घर वापस लौट गए।

मारपीट की घटना मे 20 दिन बाद आरोपियों पर एफआईआर

प्रयागराज। थाना क्षेत्र कंजिया केवटान निवासी ऊदल पटेल ने पत्नी तथा भाभी के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि बीते 7 मई की शाम पड़ोस में बरात आई हुई थी, पत्नी व बच्चे घर पर थे। पड़ोस के कुछ लोग घर में घुसकर रंजिश में पत्नी रेशमा तथा भाभी पमिला को गालियां देने लगे। जिसका विरोध करने पर दोनों को मार–पीटकर घायल कर दिया गया। घटना के 20 दिन बाद पीड़ित की तहरीर पर सोमवार को पुलिस ने गांव के धर्मराज, आशीष पटेल, आनंद पटेल तथा अभिषेक पटेल पर प्राथमिकी दर्ज की है।

पावर प्लांट से प्रदूषण व किसानों की बर्बादी का आरोप

प्रयागराज। प्रधान संघ ने पीपीजीसीएल बारा पावर प्लांट पर प्रदूषण फैलाने और किसानों की फसल बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए मंडलायुक्त प्रयागराज को ज्ञापन सौंपा। प्रधान संघ अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, ग्राम प्रधान गुलाब सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्लांट से निकलने वाला राखड़ युक्त पानी लोनी नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे कपारी, जोरवट, पगुवार, गोबरा और कल्याणपुर समेत कई गांव प्रभावित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जहरीले पानी से फसलें बर्बाद हो रही हैं और क्षेत्र में दमा, टीबी व कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। प्रधान संघ ने बताया कि करीब 50 गांव राखड़ और धुएं से प्रभावित हैं। ज्ञापन में सीएसआर फंड के तहत विकास कार्य न होने और कपारी गांव में फ्लाई ऐश तालाब से पिछले कई वर्षों से हो रहे रिसाव का मुद्दा भी उठाया गया। प्रधान संघ ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर किसानों और ग्रामीणों को राहत दिलाने की मांग की है।

केंद्र में दूसरे दिन भी हंगामा, चक्काजाम-तोड़फोड़, परीक्षा निरस्त की सूचना चस्पा

प्रयागराज। सरायइनायत के अंदावा स्थित सीता सिंह सुनीता सिंह महिला महाविद्यालय में आई टेक जोन परीक्षा केंद्र में मंगलवार को भी दूसरे दिन हंगामा हुआ। एसएससी जीडी की परीक्षा में सर्वर डाउन होने पर परीक्षार्थियों ने तोड़फोड़ करते हुए जीटी रोड पर चक्काजाम कर दिया। सूचना पर पहुंची ने छात्रों को समझाकर जाम खत्म कराया। बाद में कर्मचारी चयन आयोग ने परीक्षा रद्द होने का नोटिस चस्पा किया, तो छात्र शांत हुए।

कर्मचारी चयन आयोग मध्य क्षेत्र ने मंगलवार को भी कांस्टेबल जीडी की परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा कराने की जिम्मेदारी बंगलूरू की कंपनी एडूक्विटी कॅरिअरर टेक्नोलॉजिस प्राइवेट लिमिटेड की है। अंदावा स्थित आई–टेक जोन सेंटर में प्रथम पाली में करीब 500 परीक्षार्थियों की परीक्षा सुबह 10 से 11 बजे तक होनी थी। परीक्षा प्रारंभ हुई तो सर्वर धीमा चलने लगा।

इस दौरान परीक्षार्थियों ने विरोध किया, तो उन्हें बताया गया कि सोमवार को किए गए तोड़फोड़ के कारण जल्दबाजी में सिस्टम ठीक किए गए हैं। थोड़ी देर में सही हो जाएगा। परीक्षा करने वालों ने नियत समय से 25 मिनट पहले पेपर लेने लगे तो परीक्षार्थी आक्रोशित हो गए और केंद्र में हंगामा कर तोड़फोड़ करने लगे।

इसी बीच द्वितीय पाली के परीक्षार्थी भी आ गए और बवाल

में शामिल होते हुए तोड़फोड़ करने लगे। इस दौरान कई कमरों में लगे सभी सिस्टम और कुर्सियां तोड़ दी गईं। इतना ही नहीं, कक्षों में लगे एसी, कूलर, पंखे, सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले। इसके बाद परीक्षार्थी जीटी रोड पर पहुंचे और चक्काजाम कर नारेबाजी करने लगे। परीक्षार्थी करीब एक घंटे तक जीटी रोड पर हंगामा करते रहे। इस दौरान चक्काजाम की सूचना पर ट्रेनी आईपीएस ईश्वर लाल गुर्जर, एसीपी थरवई अरुण पाराशर, एसओ संजय गुप्ता सहित झूंसी, फूलपुर और थरवई की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाकर चक्काजाम खत्म कराया।

इधर, परीक्षार्थियों को हंगामा करते देख परीक्षा करा रहे कर्मचारी भाग गए। बाद में परीक्षा स्थगित होने की सूचना चस्पा होने पर छात्र वापस लौट गए। इससे पहले सोमवार को भी परीक्षार्थियों ने क्षमता से अधिक परीक्षार्थी बुलाने पर तोड़फोड़ और चक्काजाम किया था।

सेंटर में सर्वर धीमा होने के कारण परीक्षार्थियों ने हंगामा कर तोड़फोड़ किया है। इसके अलावा जीटी रोड पर चक्काजाम किया। छात्रों को समझाकर शांत कराया गया। आगे से इस सेंटर में परीक्षा नहीं होगी।–अरुण पाराशर, एसीपी थरवई

जाम में फंसे लोगों से परीक्षार्थियों की हुई कहासुनी

परीक्षार्थियों के जीटी रोड पर चक्काजाम करने से प्रयागराज से वाराणसी जाने वाली लेन पर वाहनों की कतार लग गई। चिलचिलाती धूप एवं गर्मी से परेशान राहगीरों की चक्काजाम कर रहे परीक्षार्थियों से कहासुनी होने लगी। इसके पहले की मामला आगे बढ़ता, पुलिस ने सड़क से भीड़ हटाकर यातायात बहाल कराया।

बिना सर्विस लेन शुरू हुआ ओवरब्रिज का काम

प्रयागराज। मऊआइमा में रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए 850 मीटर लंबे ओवरब्रिज का निर्माण तो शुरू हो गया लेकिन विभाग की लापरवाही से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सेतु निगम और रेलवे ने बिना सर्विस लेन बनाए ही ठेकेदार ने मुख्य रास्ता ब्लॉक कर दिया है। इससे 200 मीटर की दूरी तय करने के लिए लोगों को दो किमी का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

मऊआइमा में ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हुए दो माह बीत चुके हैं। काम शुरू करने से पहले ठेकेदार ने क्रॉसिंग के दोनों तरफ बैरिकेडिंग कर दिया लेकिन वैकल्पिक सर्विस लेन नहीं बनाई गई।

नतीजा, मऊआइमा कस्बा सहित आसपास की 50 हजार आबादी प्रभावित है। लोगों को हाईवे तक पहुंचने के लिए गांव के अंदरूनी कच्चे रास्तों से होकर जाना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि हाईवे स्थित मऊआइमा चौराहे पर ही अधिकांश हॉस्पिटल, बैंक, पेट्रोल पंप, सब्जी मंडी से लेकर स्कूल कॉलेज व कोचिंग सेंटर आदि स्थित हैं। ऐसे में सर्वाधिक परेशानी स्कूली बच्चों और अस्पताल जाने वाले मरीजों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीण संतलाल, अरविंद कुमार, फैज अहमद सहित कई अभिभावकों ने बताया कि कार्यदाई संस्था की ओर से पूर्णरूप से रास्ता बंद करने से बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया गया है।दुकानों तक ग्राहक के नहीं पहुंचने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। यही नहीं, किसानों का ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर सब्जी मंडी तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।

ओवरब्रिज निर्माण के साथ ही सर्विसलेन भी बननी चाहिए। विभाग को आम नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखना चाहिए।–निमिष खत्री, भाजपा नेता

रास्ता अवरुद्ध करने से कस्बे का आवागमन प्रभावित हुआ है। इससे कारोबार पर व्यापक असर पड़ रहा है।– कलीम अल्ताफ, दवा विक्रेता

कस्बे से आने और जाने का प्रमुख रास्ता बंद कर दिए जाने से आवागमन के साथ ही 40 फीसदी कारोबार पर भी असर पड़ा है।–मोहम्मद वासिक, सेनेटरी कारोबारी

–अस्पताल से लेकर मंडी और पेट्रोल पंप आदि सभी कुछ हाईवे पर स्थित है। ऐसे में सर्विस लेन न बनाने और रास्ता अवरुद्ध करने से लोगों को भारी परेशानी हो रही है। –डॉ. फैजान आलम, पेट्रोल पंप संचालक

ओवरब्रिज निर्माण की जद में आ रहे अतिक्रमण को कुछ लोगों की ओर से न हटाए जाने से सर्विस लेन बनाने का कार्य नही शुरू किया जा सका है।– सत्यनारायण पांडेय, सहायक अभियंता, सेतु निगम, प्रयागराज

ट्रैक्टर की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत, दो घायल

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के अयोध्या गांव में सोमवार रात रात ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सत्यम द्विवेदी (27) पुत्र कमल कृष्ण द्विवेदी निवासी पड़रिया थाना कोरांव अपने दो साथियों किशन पुत्र धनेश्वर निवासी रामपुर, सतना, मध्य प्रदेश और संयोग सिंह पुत्र राजेश सिंह निवासी बड़ौदा सेमरिहा, सीधी, मध्य प्रदेश के साथ ड्रमंडगंज गए थे। वहां से देर रात करीब 12 बजे वापस कोरांव बाजार लौट रहे थे। जैसे ही वे अयोध्या गांव में स्थित पुलिस चौकी के पास पहुंचे कि बाइक सवार तीनों लोग तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। हादसे में बाइक सवार सत्यम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि किशन और संयोग सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। रात 1.30 बजे के करीब 108 एंबुलेंस की ओर से घायलों को सीएचसी कोरांव लाया गया। जहां सत्यम द्विवेदी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि किशन और संयोग सिंह का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। हादसे की सूचना पाकर थाना प्रभारी कोरांव सतेंद्र कुमार दलबल के साथ सीएचसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रैक्टर व चालक की तलाश की जा रही है।

बिजली कटौती के खिलाफ महिलाओं ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। पौसिया दुबे गांव में दो माह से टूटे बिजली के केबल को न जोड़े जाने और अन्य कई समस्याओं के विरोध में महिलाओं का सब्र मंगलवार को जवाब दे गया। महिलाओं ने मेजारोड स्थित एक्सईएन कार्यालय में पहुंचकर प्रदर्शन किया। साथ ही अभियंताओं पर रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। डेलौंहा गांव के दिनेश पटेल का आरोप है कि आंधी में उनके घर का केबल टूट गया था। इसे जोड़ने के लिए अभियंताओं ने रिश्वत ली जिसकी उन्होंने रिकार्डिंग रख ली है। महिलाओं ने कहा कि ग्रामीण दो माह से अंधेरे में हैं। उर्मिला देवी का आरोप है कि जेई ने उनपर फर्जी प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं, एक्सईएन अभिनव गर्ग ने बताया कि महिलाओं की समस्या को सुलझा दिया गया है। अब बिजली कटौती की दिक्कत नहीं है।

जल निगम में ऑपरेटर पद पर फर्जी नियुक्ति कर ठगे पांच लाख

प्रयागराज। जल निगम में ऑपरेटर पद पर फर्जी नियुक्ति कर एक युवक से पांच लाख रुपये ठगी कर ली गई। आरोप है कि कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अल्लापुर लेबर चौराहे पर पंप ऑपरेटर की नियुक्ति कराकर रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी कराया जाता रहा। जार्जटाउन थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर साढ़े चार साल बाद जल निगम कर्मचारी समेत दो लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है।सोरांव के चांदपुर सराय निवासी राजेंद्र कुमार पटेल की तहरीर के मुताबिक, वर्ष 2021 में सैदाबाद के अशोक यादव से मुलाकात हुई थी। अशोक यादव ने खुद को जल निगम का अधिकारी बताते हुए पंप ऑपरेटर पद पर नियुक्ति कराने का दावा करते हुए पांच लाख रुपये की मांग की। उस पर विश्वास कर राजेंद्र पटेल ने गौरापुर निवासी ससुर शिवशंकर के माध्यम से पांच लाख रुपये अशोक यादव को दे दिया। आरोप है कि अक्तूबर 2021 में रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से नियुक्ति पत्र भेजा गया, जबकि दिसंबर 2021 को जल निगम कार्यालय ले जाकर फर्जी पहचान पत्र भी प्रदान कर दिया गया। इसके बाद राजेंद्र को अल्लापुर लेबर चौराहा स्थित जल निगम की ट्यूबवेल पर नियुक्त कर दिया गया। आरोपियों ने बकायदे कूटरचित रजिस्टर दिया, जिसमें राजेंद्र पटेल रोजाना हस्ताक्षर भी करता था। लेकिन, बाद में पता चला कि अशोक यादव जल निगम का अधिकारी नहीं बल्कि प्रॉपर्टी डीलर है और उसने जल निगम कर्मचारी रमेश सिंह के साथ मिलकर कूटरचित दस्तावेज बनाकर पांच लाख रुपये हड़प लिया। आरोप है कि राजेंद्र पटेल ने अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी धमकी देने लगे। उधर, जार्जटाउन थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह का कहना है कि न्यायालय के आदेश पर नामजद एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

निषादराज पार्क की संचालन-रखरखाव की निविदा प्रक्रिया रोकी गई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद श्रृंगवेरपुर स्थित निषादराज पार्क के संचालन और रखरखाव से संबंधित ई–निविदा प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया है। जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि हाईकोर्ट में दाखिल रिट याचिका के अनुपालन में यह निर्णय लिया गया है। परिषद की ओर से श्रृंगवेरपुर पर्यटन पार्क और निषादराज पार्क के संचालन, रखरखाव एवं पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए ई–टेंडर जारी किया गया था। टेंडर उसी को मिलना था जिसके पास होटल व रेस्टोरेंट का लाइसेंस प्राप्त हो व एडीएम सिटी के यहां पंजीकृत हो। इसी के आधार पर सबसे अधिक बोली लगाने वाले अंश इंटरप्राइजेज को टेंडर मिला। लेकिन जांच में पाया गया कि जिस रेस्टोरेंट का दस्तावेज अंश इंटरप्राइजेज की ओर से लगाया गया, वह एडीएम सिटी के यहां पंजीकृत नहीं है। जिसे संज्ञान में लेते हुए पर्यटन विभाग ने तत्काल टेंडर को निरस्त कर दिया गया। जिसको चुनौती देते हुए अंश इंटरप्राइजेज ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। कोर्ट ने तत्काल नई टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगा दी। इसके तहत तकनीकी बोली 15 मई को खोली जानी थी।

दुकानदार पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की 12 वर्षीय बालिका ने दुकानदार पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया है। पुलिस ने मंगलवार को पीड़िता की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

पीड़िता ने बताया कि बीते 20 मई की रात नौ बजे गांव में स्थित परचून की दुकान से वह सामान खरीदने गई थी। आरोप है कि दुकानदार ने बालिका से दुष्कर्म का असफल प्रयास करने लगा। किसी तरह बालिका आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। पीड़िता की माता के विरोध करने पर दुकानदार ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

घर में घुसे चोरों ने बीस हजार रुपये पर किया हाथ साफ

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के चिल्ली गांव में चोरों ने घर में घुसकर 20 हजार रुपये पर पर हाथ साफ कर दिया। चोर घर के बाहर सो रहे व्यक्ति के पास से ताले की चाभी लेकर घर के अंदर घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम चिल्ली निवासी नंद लाल पटेल पुत्र महादेव पटेल ने घूरपुर थाना प्रभारी को दी गई तहरीर में बताया कि 26 मई की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुस आए। चोर घर में रखे दो बॉक्स का ताला तोड़कर 20,000 रुपये नकद चोरी कर ले गए। साढ़े तीन बजे भोर में गृह स्वामी उठा तो दोनों बॉक्स के ताले टूटे और बॉक्स में रखा सामान बिखरा देख दंग रह गए। पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की।

पीड़ित ने थाना घूरपुर में लिखित तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। करमा पुलिस चौकी प्रभारी राजेश कुमार राय ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन की वजह से वीआईपी ड्यूटी पर हूं, घटना की जांचकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भगवान गणेश के स्मरण बिना शुभ कार्य अपूर्ण : गंगा साध्वी

प्रयागराज। सिंघापुर में चल रहे नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन के आठवें दिन अयोध्या बड़ी छावनी से पधारीं कथा वाचक गंगा साध्वी ने कहा कि भगवान गणेश को प्रथम पूज्य का स्थान प्राप्त

है। उनके स्मरण के बिना कोई भी शुभ कार्य पूर्ण नहीं माना जाता। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में किसी भी मांगलिक कार्य, पूजा–पाठ अथवा धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत भगवान गणेश के पूजन से की जाती है। गंगा साध्वी ने कहा कि धर्म का मार्ग व्यक्ति को सकारात्मकता और आत्मिक शांति प्रदान करता है। मौके पर राम लौटन दास महाराज, अमर सिंह यादव, दारा यादव , रामचंद्र पटेल, प्रमोद यादव, फूलचंद्र विश्वकर्मा, तनुज मिश्रा, श्यामू यादव, रवि कुमार पटेल, चंद्रभान पटेल आदि रहे।

कम लागत और बेहतर आमदनी की उम्मीद में उगाया ड्रैगन फ्रूट

प्रयागराज। क्षेत्र के किसान नकदी फसलों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। कम पानी और लागत में बेहतर मुनाफा देने वाली ड्रैगन फ्रूट की खेती से अच्छी आमदनी की उम्मीद है। ऐसे में शोध छात्र ने नई पहल करते हुए खेती को रोजगार का जरिया

बनाने का निर्णय लिया है।

प्रो.राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय के हॉर्टिकल्चर एवं फूड साइंस से एमएससी कर चुके शोध छात्र रामराज यादव अपने घर में ड्रैगन फ्रूट के पौधे लगाकर नई तकनीकों और उत्पादन क्षमता पर शोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि ड्रैगन फ्रूट की मांग लगातार बढ़ रही है।

ड्रैगन फ्रूट की रोपाई के करीब डेढ़ से दो साल बाद पौधों में पहला फल आने लगता है। फूल आने के लगभग 30 से 50 दिन में फल तैयार हो जाता है। एक बार पौधा लग जाने के बाद यह करीब 20 से 25 वर्षों तक उत्पादन देता रहता है।

कुछ वर्ष पहले तक ड्रैगन फ्रूट केवल बड़े शहरों के सुपरमार्केट या आयातित फलों की दुकानों में ही देखने को मिलता था लेकिन अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी खेती शुरू हो चुकी है।

रामराज ने बताया कि यदि सरकार की ओर से तकनीकी जानकारी और प्रोत्साहन मिलता रहा तो आने वाले समय में बहरिया क्षेत्र ड्रैगन फ्रूट उत्पादन का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

नौतपा के तीसरे दिन मौसम ने ली करवट, गर्मी से राहत

प्रयागराज। नौतपा के दो दिन तक तपने के बाद बुधवार को मौसम ने करवट ली। मंगलवार मध्य रात्रि के बाद और बुधवार भोर में हल्की बूंदाबांदी होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। सुबह से हवाएं चलने से तपिश भी कमजोर हो गयी। मौसम में बदलाव से रात व दिन के तापमान में गिरावट होने से उमस से भी राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार 29 मई को 50 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ बारिश होने के आसार हैं। पिछले एक सप्ताह से प्रचंड गर्मी के चलते जनजीवन अस्त–व्यस्त था। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से आदमी ही हीं बल्कि बेजुबान भी परेशान थे। सबसे ज्यादा दिक्कत रात के तापमान में निरंतर वृद्धि होने से हो रही थी। न्यूनतमत तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया था।

अखिलेश बोले : अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो–पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी, इनमें अब करंट नहीं रहा

लखनऊ (संवाददाता)। अखिलेश यादव ने बुधवार को फिर से भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने अपने ' अकाउंट से लिखा– अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो–पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उप्र के 'असफल मुख्यमंत्री' जी ने ये नहीं कहा कि इस 'महा विद्युत आपदा' के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है।

ये स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री जी की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके 'कंधे पर हाथ रखकर' एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए, जनता को आपकी 'आपसी गर्मी' से तो राहत मिल जाएगी। क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एकांत में साथ देखा नहीं।

भाजपा राज में बिजली के सब–स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक–सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखकर, जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। भाजपा में अब करंट नहीं रहा।

सरकार अपनी धाक जमाने के लिए फेक एनकाउंटर करा रही

वहीं, मंगलवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की थी। उन्होंने कहा था कि पुलिस की कार्यशैली भी सवाल उठाए। कहा कि आजकल फेक एनकाउंटर की खबरें काफी सुनने को आ रही हैं। कई परिवारों ने इस बारे में खुलकर बात की है।

इससे पता चलता है कि सरकार फेक एनकाउंटर की साजिश लगातार कर रही है। सरकार की मर्जी के अनुसार फेक एनकाउंटर हो रहा है।

अपनी धाक जमाने के लिए यूपी में एनकाउंटर किए जा रहे हैं। ये सरकार जाति देखकर एनकाउंटर करवाती है।

सपा सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार गिर जाएगी अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। भाजपा सरकार "फेक एनकाउंटर" की तरह "फेक अर्थव्यवस्था" का भी प्रचार कर रही है। डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। भाजपा सरकार के 10 वर्षों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। सबसे अधिक फर्जी एनकाउंटर पीडीए वर्ग के लोगों के हुए हैं और उन्हें धमकाने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई की जा रही है।

अखिलेश यादव ने जौनपुर के एक यादव पुजारी के कथित एनकाउंटर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संघर्ष करके पुजारी परिवार को न्याय दिलाया और दोषियों को जेल भिजवाया।फर्जी एनकाउंटर करने वाले लोग "मानसिक रोगी" बन जाते हैं।

उन्होंने 2020 हाथरस केस का जिक्र करते हुए कहा कि जो तस्वीर 2020 में हाथरस में देखने को मिली थी, वैसी ही स्थिति अब 2026 में भी दिखाई दे रही है।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है और सरकार के संरक्षण में फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं।

यूपी बीजेपी संगठन में होगा भारी फेरबदल

कई बड़े नेताओं का पत्ता कटना तय

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी संगठन में बदलाव के आसार है। 2027 में विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी की यूपी इकाई में फेरबदल होने वाला है। संगठन में पिछले कई महीनों से बदलाव को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। मिल रही जानकारी के मुताबिक 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी संगठन को री–फ्रेश करने जा रही है। यूपी बीजेपी संगठन में करीब 50 फीसदी तक बदलाव की तैयारी चल रही है। बीजेपी की क्षेत्रीय इकाइयों के अध्यक्षों को बदला जा सकता है। राज्य कार्यकारिणी में बड़े स्तर पर बदलाव की संभावना है।2027 के विधानसभा चुनाव के महामुकाबले से पहले बीजेपी के 7 मोर्चों को नए अध्यक्ष मिल सकते हैं। संगठन में युवाओं को आगे बढ़ाने और नए चेहरों को तरजीह देने की पूरी तैयारी की जा रही है। पार्टी का फोकस बूथ स्तर को मजबूत करने पर है। लंबे समय से एक ही पद पर जमे बैठे नेताओं की छुट्टी होना तय माना जा रहा है। दोहरी जिम्मेदारी संभाल रहे पदाधिकारियों पर गाज गिर सकती है।बीजेपी संगठन में इस बड़े फेरबदल को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ बेहद गंभीर और गहन चर्चा की है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट सौंप दी है। योगी कैबिनेट के विस्तार के बाद अब संगठन में बदलाव की बारी आ चुकी है। इस बदलाव के दौरान पुराने क्षेत्रीय अध्यक्षों को हटाकर राज्य इकाई में नई जगह दी जा सकती है।जो नए क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाए जाएंगे, वे अपनी टीम खुद तैयार करेंगे। पार्टी का जोर समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले का मुकाबला करने की रणनीति पर है। बीजेपी संगठन में कई महीनों से बदलावों की स्क्रिप्ट लिखी जा रही थी और 2027 विधानसभा चुनाव मिशन को फतह करने के लिए बीजेपी ने तैयारी की रफ्तार तेज कर दी है।

जनगणना–2027 कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण,समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में जनगणना–2027 की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने फील्ड स्तर पर निगरानी तेज कर दी है। बुधवार को जिलाधिकारी विशाख जी ने प्रथम चरण के तहत चल रहे मकान सूचीकरण और आवास गणना कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम जोन–1 के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। जनगणना–2027 के तहत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विभिन्न हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों का भ्रमण कर मौके पर चल रहे कार्यों की स्थिति जानी जिलाधिकारी ने फील्ड में कार्यरत प्रगणकों और सुपरवाइजरों से संवाद कर डेटा संग्रहण की प्रक्रिया और कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने गणना से जुड़े अभिलेखों, प्रपत्रों और डिजिटल माध्यम से किए जा रहे डेटा संकलन का भी निरीक्षण किया। डीएम ने जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन अपार्टमेंट्स या बहुमंजिला भवनों में जनगणना कार्य में अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है, वहां राजस्व निरीक्षकों को भेजकर लोगों को जनगणना के महत्व के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही स्थानीय निवासियों से सहयोग सुनिश्चित कराने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि फील्ड में तैनात कर्मचारियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रतिदिन कार्य की समीक्षा हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता और सटीकता के साथ संपन्न कराया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह, जोनल अधिकारी जोन–1 समेत कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

महिला थाना और महिगवां को मिले नए प्रभारी, ट्रैफिक में दो एसीपी तैनात

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में बुधवार को प्रशासनिक फेरबदल करते हुए निरीक्षक और सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियों की नई तैनाती की गई। बुधवार को महिला थाना और महिगवां थाने को नए प्रभारी मिले हैं, वहीं दो एसीपी स्तर के अधिकारियों को ट्रैफिक विभाग में भेजा गया है। कमिश्नर के द्वारा जारी आदेश के अनुसार अतिरिक्त निरीक्षक थाना नाका रहीं नीलम पाण्डेय को प्रभारी निरीक्षक महिला थाना बनाया गया है। वहीं पुलिस उपायुक्त उत्तरी के वाचक रहे निरीक्षक राधेश्याम मौर्य को थाना अध्यक्ष महिगवां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सहायक पुलिस आयुक्त स्तर पर भी बदलाव किया गया है। एसीपी अवनीश कुमार और एसीपी मंजू पाण्डेय को नई तैनाती देते हुए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात बनाया गया है। दोनों अधिकारी पहले लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में ही तैनात थे।

योगी का डिजिटल विजन, प्रोजेक्ट गंगा जल्द होगा "लाइव"

ब्रॉडबैंड, फ्री वाई–फाई और डिजिटल सेवाओं से बदलेगी गांवों की तस्वीर

प्रोजेक्ट गंगा के माइलस्टोन पूरे, सरकार और पार्टनर्स ने तेज की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से डिजिटल आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार का महत्वाकांक्षी "प्रोजेक्ट गंगा" अब जल्द "लाइव" होने जा रहा है। सरकार की ओर से परियोजना से जुड़े लगभग सभी प्रमुख माइलस्टोन पूरे कर लिए गए हैं और अब इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।प्रोजेक्ट गंगा का उद्देश्य गांवों और छोटे शहरों तक आधुनिक डिजिटल सेवाओं को पहुंचाना है ताकि ग्रामीण क्षेत्र भी हाई स्पीड इंटरनेट और नई तकनीकों से सीधे जुड़ सकें। परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, फ्री पब्लिक वाई–फाई, साइबर सिक्योरिटी, आईपीटीवी और डिजिटल सेवाओं का बड़ा नेटवर्क तैयार किया जाएगा। प्रोजेक्ट गंगा की शुरुआत जुलाई 2025 में प्रारंभिक सीडिंग के साथ हुई थी। दिसंबर 2025 में विभिन्न सरकारी विभागों और स्टेकहोल्डर्स के साथ रणनीतिक चर्चाएं शुरू हुईं। जनवरी में कॉन्सेप्ट नोट साझा किया गया, जबकि 9 मार्च को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की उपस्थिति में एमओयू साइन किया गया। अप्रैल तक बैंकिंग पार्टनर्स के साथ फाइनेंशियल एनेबलमेंट को लेकर रणनीतिक बातचीत शुरू कर दी गई, जिससे अब यह परियोजना "लाइव" के लिए पूरी तरह तैयार मानी जा रही है।प्रोजेक्ट गंगा के तहत डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और आधुनिक डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करेगा। घर–घर हाई–स्पीड ब्रॉडबैंड, पब्लिक वाई–फाई और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच संभव होगी।

बदल रही बुनियादी शिक्षा की तस्वीर

प्री–प्राइमरी शिक्षा की नींव मजबूत कर रही सरकार

`किताब वितरण ऐप' से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार शिक्षा सुधार को प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के साथ प्री–प्राइमरी स्तर तक मजबूत करने में जुटी हुई है। को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए गतिविधि आधारित आधुनिक शिक्षण सामग्री का वितरण शुरू किया गया है। 'चहक–1, 2, 3', 'कदम', 'कलांकुर', बिग बुक, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और बालवाटिका पुस्तिका जैसी सामग्री के माध्यम से अब लाखों नौनिहालों को शुरुआती शिक्षा का नया और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।योगी सरकार की पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उस विजन को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा ईसीसीई को बच्चों की सीखने की बुनियाद माना गया है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं को केवल पोषण और देखभाल तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रारंभिक शिक्षा और गतिविधि आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में आयु वर्ग के अनुसार शिक्षण सामग्री उपलब्ध। कराई जाएगी। 'चहक–1', 'चहक–2', 'चहक–3', 'कदम', 'कलांकुर', बालवाटिका हस्तपुस्तिका, 12 प्रकार की बिग बुक, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और शिक्षण तालिकाएं वितरित की जाएंगी।प्रदेश में पहले ही बेसिक शिक्षा के अंतर्गत बड़े स्तर पर स्मार्ट स्कूल, ऑपरेशन कायाकल्प, डिजिटल मॉनिटरिंग और निपुण भारत मिशन जैसे अभियान संचालित किए जा रहे हैं। अब प्री–प्राइमरी शिक्षा को भी शिक्षा सुधार अभियान से जोड़ते हुए बच्चों की शुरुआती सीखने की क्षमता को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के मानसिक, भाषाई और सामाजिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है। गतिविधि आधारित, खेल आधारित और बाल–केंद्रित शिक्षण पद्धति को बढ़ावा दिया जा रहा है। वितरण प्रक्रिया को तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाने के लिए 'किताब वितरण ऐप' के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की है। बीएसए, बीईओ, प्रधानाध्यापक, एआरपी, एसआरजी और डायट मेंटरों को वितरण प्रक्रिया की निगरानी और स्कैनिंग की जिम्मेदारी दी गई है।

मई, जून में स्कूली बच्चों एवं परिवार का म्यूजियम व स्मारकों में प्रवेश फ्री

पेट्रोल एवं ऊर्जा का उपयोग न्यूनतम किया जाये- जयवीर

लखनऊ (संवाददाता)। विश्व की वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्र हित में योगदान का आवाहन किया था। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने अधिकारियों के साथ 13 मई को बैठक करके प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिये है। जिन अधिकारियों को वाहन आवंटित है, उपयोग में मितव्ययिता बरतें और व्यय को 50 प्रतिशत के स्तर पर लाये जाने के प्रयास किये जाये।पर्यटन मंत्री ने एक ही रूट पर रहने वाले अधिकारियों को एक ही गाड़ी का उपयोग करने तथा शासकीय भ्रमण के लिए संयुक्त रूप से एक ही वाहन उपयोग करने के निर्देश दिये है। अधिकारी पब्लिक ट्रांसपोर्ट, मेट्रो का उपयोग करें। कार्यालय में बिजली का उपयोग न्यूनतम किया जाये और एसी का उपयोग कम किया जाये। अवकाश के दिनों में कार्यालयों को अपरिहार्य स्थिति में ही खोला जाये।जयवीर सिंह ने अधिकारियों को स्मारकों में निःशुल्क प्रवेश करने के निर्णय का व्यापक प्रचार–प्रसार किये जाने की अपेक्षा की है। प्रदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग की विद्यमान अपार संभावनाओं को देखते हुए पीपीपी योजना में लीज पर दी गई इकाईयों एवं पर्यटक आवास गृहों में डेस्टिनेशन वेडिंग कोप्रोत्साहित करने के लिए कहा है। पर्यटन विभाग के राही पर्यटक आवास गृहों, होटलों में मई एवं जून में बच्चों एवं परिवार के यात्रियों को 20 से 25 प्रतिशत छूट प्रदान करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने विजिट माई स्टेट को बढ़ावा दिये जाने के निर्देश दिये है, उसके अनुपालन में वाराणसी, मथुरा, प्रयागराज, अयोध्या, बुन्देलखण्ड, चित्रकूट, आगरा, नैमिषारण्य, शाकुम्भरी देवी आदि स्थलों का प्रचार–प्रसार एवं ब्रांडिंग की जाये। उन्होंने पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को क्षेत्रीय व्यन्जनों से परिचित कराने के लिए विशेष कुकिंग शो आयोजित कराये जाने की अपेक्षा की है। प्रदेश के स्थलों और विरासत से परिचित कराने हेतु हेरिटेज वॉक का आयोजन करने के निर्देश दिये है। संस्कृति विभाग ने डीएम के माध्यम से सास्कृतिक कार्यक्रम भजन, नाटक के आयोजन की अपेक्षा की है। प्रदेश भर में 200 नाट्य प्रस्तुती चिन्हित की गयी है।

चाँदनी जिसको कहते

(कुण्डलिया)

अद्भुत है पाकीज़गी,जीने का अन्दाज़।
खिलती है जब चाँदनी, लाती मधुर रिवाज़।
लाती मधुर रिवाज़, प्रेम को परिभाषित कर।
जीवन का हर राज, खोलती आकर्षित कर।
सुन लो कहें प्रदीप,करे जब खुद को प्रस्तुत।
कहते हैं तब सभी, फूल का जीवन अद्भुत।।

औषध ही औषध भरे, पौधा झाड़ीदार।
सेवा को हरिमन्त्र कह,निर्मल रखे विचार।
निर्मल रखे विचार, जीव का साथी बनके।
मोहक मोहन गात, चाँदनी जिसको कहते।
सुन लो कहें प्रदीप,क्रोध का करके यह वध।
भरता है मुस्कान, दिलों का बनकर औषध।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सुप्रभाती

हुई सुहानी भोर, क्षितिज पर सूर्य चमकता।
नाच उठे मन मोर, देख कर यह सुंदरता।।

सूरज लगता भूप, सात घोड़ों के रथ पर।।
छिटकी कोमल धूप, सुहानी किरणों से भर।।

प्राची रही निहार, बाल–रवि को ममता से।
चमक रहा संसार, सृष्टि की इस क्षमता से।।

तुहिन कणों का हार, पहन धरती इतराती।
कल–कल बहती धार, चली जाती बलखाती।।

पंछी गाते गान, रागिनी भर जाती है।
मुखड़े पर मुस्कान, लिए प्रातः आती है।।

डॉ. नीलिमा मिश्रा
प्रयागराज

दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर को गोली मारी, अपाचे सवार 2 बदमाशों ने फायरिंग की

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में एक प्रॉपर्टी डीलर को गोली मार दी गई। बदमाश पिस्टल लहराते हुए मौके से भाग निकले। आसपास के लोगों ने घायल को तत्काल अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र में कल्ली पश्चिम में बुधवार दोपहर में हुई।

घायल की पहचान जौनपुर के रहने वाले संदीप सिंह के रूप में हुई। गोली चलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। संदीप सिंह मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले हैं। वर्तमान में अपने परिवार के साथ कालिंदी पार्क के पास रहते हैं। वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। बुधवार दोपहर करीब 12 से 12ः30 बजे के बीच वह अपने ड्राइवर प्रदीप सिंह के साथ कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव मार्केट में अपने ऑफिस पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे। तभी अपाचे बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

गोली लगते ही संदीप घायल होकर गिर पड़े, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट पहने था, जबकि पीछे बैठा हमलावर कपड़े से चेहरा ढक रखा था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेजी से मौके से फरार हो गए। इससे साफ है कि हमलावर पेशेवर बदमाश थे। एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारी प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ऑफिस और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने में जुटी हुई है। हमलावरों की पहचान की कोशिश जारी है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश सहित विभिन्न बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 3020262027 दिनांक: 26.05.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 17.06.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 90

कार्यों का विवरण: (अ) सहायक मण्डल इन्जीनियर/मुख्यालय/द्वितीय/कानपुर के अधीन वरि0 खण्ड इंजी/कार्य/स्टेशन/कानपुर के सेक्शन में कार्यावधि 30.06.2027 हेतु जोन सेन्ट्रल में वार्षिक सिविल मरम्मत/रखरखाव एवं छोटे नये कार्यों का कार्य। (ब) सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय कानपुर के तहत कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन के यार्ड में एक वर्ष के लिए ड्रेनेज पम्प की व्यवस्था का कार्य।

अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 1,91,62,082.94	कार्य समापन की अवधि: 12 माह
बयाने की रकम (रू): ₹ 3,83,300.00	निविदा खुलने की तिथि: 17.06.2026

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: कोई सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

नोट:- (1) आनलाइन निविदा दिनांक 17.06.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 17.06.2026 तक उपलब्ध है। 1201/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 26/23 दिनांक 26.05.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
70263430	पेंट एल्युमिनियम	34,172 लीटर	18.06.2026
38262449	टॉप हाउसिंग फॉर कॉन्सटेंट कॉन्टेक्ट पॉली यूरेथिन साइड बियरर पैड	13969 नग	17.06.2026
38261511	मॉडिफाइड इलास्टोमेरिक पैड (डिजाइन-II)	36431 नग	22.06.2026
38263041	सेट ऑफ 11" बोगी माउण्टेड ब्रेक सिलेंडर	81 सेट	23.06.2026
38261525	ड्राफ्ट गियर	187 नग	25.06.2026
38261519	कॉन्सटेंट कॉन्टेक्ट पॉली यूरेथिन साइड बियरर पैड	6580 नग	06.07.2026
38263206	कोन, रोलर एंड केज असेंबली फॉर सी टी आर बी क्लास 'इ'	2978 नग	22.06.2026
20263539	लेदर बेली विथ मॉउंटिंग अरेंजमेंट	215 सेट	29.06.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1195/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों–रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतरू ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे। यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक–पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान–सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों–करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने–निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव–कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता–पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख–सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है। गुरिंदरवीर सिंह के दिल में गांव और साधारण परिवारों में पले–बढ़े बच्चों के संघर्ष के प्रति खासा सम्मान है। वे उन हजारों नवोदित खिलाड़ियों के लिये प्रेरणापुंज हैं जो अपनी पृष्ठभूमि वाले एक खिलाड़ी को राष्ट्रीय फलक पर चमकता देख रहे हैं। निश्चय ही इस कामयाबी से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। यही वजह है कि इस ऐतिहासिक कामयाबी से पहले जालंधर की महिला खिलाड़ियों से उनका संवाद बेहद सहज–सरल व प्रेरणादायक था कि तुम्हें भी एकदिन यहां पहुंचना है। निश्चय ही उनका यह कथन नवोदित प्रतिभाओं में नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। निस्संदेह, विगत में भी पंजाब ने कई ऐसे खेल नायकों को जन्म दिया, जिन्होंने अभावों से जूझते हुए दृढ़ संकल्प से कामयाबी की नई इबारत लिखी। फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह से लेकर जालंधर एक्सप्रेस गुरिंदरवीर की कामयाबी उसकी गवाह है। जो नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने को प्रेरित करती है।

जब सरकारें हास्य से डरती हैं, तो यह दिखाता है कि बहुत कुछ गलत है

के. रवींद्रन

काकरोच जनता पार्टी की शुरुआत भले ही एक व्यंग्य के तौर पर हुई हो, लेकिन इसकी लोकप्रियता ने इंटरनेट पर चलने वाले किसी मामूली मजाक से कहीं ज्यादा गंभीर बात को उजागर किया है। सरकारी अधिकारियों से मिली प्रतिक्रिया से पता चलता है कि सत्ताधारी व्यवस्था को इस व्यंग्य से उतना डर नहीं लग रहा, जितना इस बात की संभावना से कि इस व्यंग्य को सुनने–समझने वाले लोग मिल गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के व्यंग्यात्मक उभार को लेकर मोदी सरकार की जाहिर बेचैनी समकालीन राजनीति की एक बार–बार दिखने वाली विशेषता को दर्शाती है, और वह है सत्ताधारी पार्टी की आलोचना और राष्ट्र–विरोध के बीच की रेखा का धुंधला पड़ जाना। जब सत्ता में बैठे लोग असहमति, पैरोडी या मजाक को राष्ट्र–विरोधी कृत्य मानते हैं, तो वे अपनी वैधता को लेकर अपनी ही गहरी असुरक्षा को जाहिर करते हैं। एक आत्मविश्वास से भरी सरकार मजाक को झेल सकती है। एक घबराई हुई सरकार मीम्स, चुटकुलों और काल्पनिक राजनीतिक पार्टियों में भी दुश्मन ढूंढती है। व्यंग्य की अपील को समझने के बजाय उसे दबाने की जिद राजनीतिक रूप से दूरदर्शिता की कमी को दर्शाती है। श्कॉकरोच जनता पार्टीश ने स्पष्ट रूप से लोगों की नब्ज को छुआ है, क्योंकि यह उस मनोदशा का प्रतिनिधित्व करती है जिसे कई नागरिककृविशेष रूप से युवा लोगकृपहले से महसूस करते हैं, लेकिन शायद औपचारिक राजनीति के माध्यम से व्यक्त नहीं कर पाए हैं। किसी व्यंग्यात्मक संगठन की लोकप्रियता जरूरी नहीं कि किसी संगठित तोड़फोड़ का सुबूत हो। यह तो जमा होती जा रही चिढ़ और झुंझलाहट का सबूत है। व्यंग्य के प्रति राज्य का सहज संदेह लोकतांत्रिक संस्कृति में एक बड़ी समस्या की ओर भी इशारा करता है। राजनीतिक सत्ता नागरिकता की शर्त के रूप में श्रद्धा की मांग नहीं कर सकती। लोकतंत्र में, नेताओं और दलों को उपहास, जांच और अस्वीकृति के लिए खुला रहना चाहिए। देश किसी भी सरकार से बड़ा है, और लोकतांत्रिक निष्ठा को वर्तमान में सत्ता में बैठे लोगों के प्रति आज्ञाकारिता से नहीं मापा जा सकता। गहरा सबक यह है कि सोशल मीडिया को अब राजनीतिक वास्तविकता से अलग एक खेल का मैदान नहीं माना जा सकता। यह अब उन प्रमुख मंचों में से एक है जहां जनमानस बनता है, फैलता है और दृढ़ होता है। नई पीढ़ी अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए पार्टी घोषणापत्रों या टेलीविजन बहसों का इंतजार नहीं करती। यह व्यंग्य, रीमिक्स संस्कृति, मीम्स, पैरोडी अकाउंट और वायरल नारों का उपयोग करती है। राजनीतिक संचार के पुराने मॉडलों में प्रशिक्षित अधिकारियों को ये तरीके भले ही गैर–गंभीर लगें, लेकिन इनमें अक्सर तीक्ष्ण सामाजिक समझ होती है। जो सरकारें ऑनलाइन हास्य को तुच्छ समझकर खारिज कर देती हैं, वे इसके नैदानिक महत्व को समझ नहीं पातीं। एक मीम विरोध प्रदर्शन से पहले ही आक्रोश प्रकट कर सकता है। एक पैरोडी चुनाव से पहले ही अविश्वास दिखा सकती है। एक व्यंग्यात्मक आंदोलन यह संकेत दे सकता है कि आधिकारिक कथन लोगों को समझाने में विफल हो रहे हैं। इस अर्थ में, कॉकरोच जनता पार्टी को खतरे के बजाय एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह सत्ता प्रतिष्ठान को संदेश देता है कि एक ऐसा वर्ग मौजूद है जो सत्ता का मजाक उड़ाने को तैयार है क्योंकि अब सत्ता उसकी बात नहीं सुनती। कॉकरोच जनता पार्टीश की लोकप्रियता यह भी दिखाती है कि राजनीतिक सोच बदल रही है। पारंपरिक विपक्षी राजनीति को अक्सर लोगों की नाराजगी को एक साफ राष्ट्रीय विकल्प में बदलने में मुश्किल हुई है। लेकिन, व्यंग्य को असरदार होने के लिए किसी कार्यक्रम की जरूरत नहीं होती। इसकी ताकत सत्ताधारी व्यवस्था के आस–पास बने श्अटल होने के भ्रमश को तोड़ने में है। यह लोगों को बताता है कि सत्ता पर हंसा जा सकता है, और जब सत्ता हंसी का पात्र बन जाती है, तो उसका डर कम हो जाता है। इसका मतलब यह नहीं है कि व्यंग्य राजनीति का कोई विकल्प है। हास्य विरोधाभासों को उजागर तो कर सकता है, लेकिन वह संस्थाएं नहीं बना सकता, नौकरियां पैदा नहीं कर सकता या लोगों के कल्याण का काम नहीं कर सकता। फिर भी, व्यंग्य राजनीतिक सवालों के लिए जमीन तैयार कर सकता है। यह विरोध करने के मनोवैज्ञानिक बोझ को कम कर सकता है। यह लोगों को यह पहचानने में मदद कर सकता है कि उनकी निजी निराशाएं सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि औरों की भी हैं। ठीक इसी वजह से सरकारें अक्सर इससे डरती हैं। खतरा वह मजाक नहीं है, बल्कि उस मजाक के इर्द–गिर्द बना लोगों का वह समूह है। सरकार की ओर से ज्यादा समझदारी भरा जवाब यह होगा कि वह लोगों की असल शिकायतों पर ध्यान दे। सत्ताधारी व्यवस्था ने अपनी ज्यादातर राजनीतिक ताकत श्संदेशों पर सख्त नियंत्रणय, श्केंद्रीयकृत संचारश और श्राष्ट्रीय उद्देश्य को बढ़ा–चढ़ाकर दिखानेश के आधार पर खड़ी की है। यह रणनीति सालों तक बहुत असरदार रही है। लेकिन व्यंग्य के जरिए होने वाले विरोध का बढ़ना यह दिखाता है कि संदेशों पर नियंत्रण की भी अपनी सीमाएं होती हैं। श्कॉकरोच जनता पार्टीश की लोकप्रियता महज एक मजाकिया घटना नहीं है। यह एक राजनीतिक लक्षण है। यह उस पीढ़ी की थकान को दिखाता है जो ऑनलाइन रहती है, सब्र खो चुकी है, दुनिया भर के हालात से अपनी तुलना करती है, और यह मानने को तैयार नहीं है कि वफादारी का मतलब चुप रहना होता है। सरकार इसे किसी दूसरे नाम से राजद्रोह मान सकती है, या फिर इसे उस समाज की प्रतिक्रिया के तौर पर देख सकती है जो चाहता है कि उसे गंभीरता से लिया जाए। यह चुनाव ही तय करेगा कि यह मजाक समय के साथ फीका पड़ जाएगा, या फिर लोकतांत्रिक हताशा का एक और भी तीखा प्रतीक बन जाएगा।

पेट काटकर जनता बचाए, मोदीशाही अमेरिका की भेंट चढ़ाए!

राजेंद्र शर्मा

नरेंद्र मोदी के राज ने जिस एक चीज में सबसे ज्यादा महारत हासिल की है, वह यह है कि वास्तव में यह सरकार जो करती है, उससे ठीक उल्टा करने का ढोल पीटती है। इसका ताजातरीन उदाहरण, अमेरिकी विदेश सचिव (मंत्री) मार्को रूबियो की हाल की भारत यात्रा के दौरान, बहुत ही गाढ़े रंग से रेखांकित होकर सामने आया है। बेशक, अमेरिकी विदेश मंत्री का जिस तरह लाल कालीन बिछाकर स्वागत किया गया, उसमें भी बहुत कुछ ऐसा था, जिसकी अस्वाभाविकता विदेश संबंधों के अनेक जानकारों की आंखों में खटकी है। सामान्य प्रोटोकॉल यह है कि बाहर से आने वाले किसी भी मेहमान मंत्री की, पहले मेजबान देश के अपने समकक्ष या समकक्षों से विस्तृत वार्ताएं होती हैं और इन वार्ताओं में ही वास्तविक निर्णयों पर पहुंचा जाता है। बाद में मेहमान मंत्री की मुलाकात, जो रस्मी और संक्षिप्त होती है, कार्यपालिका के मुखिया से होती है, जिसमें मेहमान अगर मेजबान देश के शीर्ष नेता के लिए अपने देश के शासन प्रमुख का कोई संदेश लाया हो तो वह संदेश देता है और अगर कोई समझौते हो रहे हों, तो उन पर औपचारिक रूप से मोहर लगायी जाती है। लेकिन, अमेरिकी विदेश सचिव के लिए इस सामान्य प्रोटोकॉल को परे खिसकाना जरूरी समझा गया। कोलकाता में उतरने के बाद, दिल्ली पहुंचने पर रूबियो की मुलाकात सीधे प्रधानमंत्री मोदी से हुई। इस मुलाकात के समय भारत के विदेश मंत्री तथा वाणिज्य मंत्री भी मौजूद थे और यह मुलाकात एक घंटे से लंबी चली बताते हैं। जाहिर है कि अभिवादन, अभिनंदन, संदेशों के आदान–प्रदान का सिलसिला तो इतनी देर तक नहीं चल सकता था। ऐसा लगता है कि वार्ताओं के मुख्य सूत्र, सीधे प्रधानमंत्री के साथ इस बातचीत में ही तय किए गए होंगे। बेशक, यह मोदी सरकार में प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में लगभग सारे निर्णय केंद्रित कर दिए जाने की सच्चाई को भी दिखाता है। लेकिन, यह वर्तमान भारत–अमेरिका रिश्ते की नाबराबरी को भी दिखाता है, जहां सरकार खुद ही यह मानकर चलती नजर आती है कि प्रधानमंत्री को लाख प्रिय होने के बावजूद, भारतीय विदेश मंत्री को, अमेरिकी विदेश मंत्री की बराबर में नहीं बैठाया जा सकता। उससे तो खुद प्रधानमंत्री की वार्ताएं होना जरूरी है। संभवतरू सत्तर के दशक की एक बंबईया फिल्म का गीत इस भावना का पूरी तरह से बयान कर सकेकृबंबई से आया मेरा दोस्त, दोस्त को सलाम करो! वाशिंगटन से आया दोस्त, उसका खास स्वागत तो होना ही था! लेकिन, रिश्ते की नाबराबरी सिर्फ प्रोटोकॉल के उलटफेर पर तो रुकने वाली थी नहीं। अमेरिकी विदेश सचिव की नजरों में उनकी यात्रा का जो हासिल रहा, उसमें यह नाबराबरी भारत के लिए अपने और घातक रूप में सामने आ जाती है। अपने एक ट्विटर संदेश में रूबियो ने भारत में अमेरिका के राजदूत तथा अमेरिकी कूटनीतिज्ञों के प्रयासों की सराहना करने के बहाने से, सार्वजनिक रूप से इसकी याद दिलायी कि, भारत ने अगले पांच वर्ष में 500 अरब डालर के अमेरिकी माल खरीदने का वचन दिया है, जिसके केंद्र में ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृषि (उत्पाद) होंगे। जाहिर है कि अमेरिकी विदेश सचिव की नजरों में भारत को इसके लिए वचनबद्घ करना, राष्ट्रपति ट्रम्प और अमेरिकी जनता के हित में जबर्दस्त काम है जिसके लिए वह अपने देश के प्रतिनिधियों की पीठ ठोक रहे थे। जैसा कि जाने–माने अर्थशास्त्री, प्रोफेसर प्रभात पटनायक ने बलपूर्वक रेखांकित किया है, किसी आर्थिक समझौते के नाम पर अमेरिका द्वारा अपने मालों की खरीद की ऐसी शर्त थोपा जाना, भारत–अमेरिका रिश्तों में साधारण नाबराबरी का ही नहीं, वास्तव में ऐसी नाबराबरी का भी द्योतक है, जो औपनिवेशिक दौर की याद दिलाती है। औपनिवेशिक दौर में ही उपनिवेशकर्ता देश, अपने उपनिवेशों पर अपने मालों की खपत थोपने के जरिए, निरुद्योगीकरण थोपता था ताकि उसके बल पर, उसकी औद्योगिक तरक्की की गाड़ी के चक्के चलते रहें। कहने की जरूरत नहीं है कि भारत के सिर पर पहले ऊंचे टैरिफ की तलवार लटकाने और उसके बाद, टैरिफ की दर कम करने के एवज में भारत से सरासर इकतरफा व्यापार रियायतें हासिल करने के लिए ट्रंप निजाम द्वारा थोपे गए व्यापार समझौते में, अमेरिका ने भारतीय मालों के लिए ऐसी कोई वचनबद्घता स्वीकार नहीं की है। यह तब है जबकि अब तक भारत, अमेरिका के साथ व्यापार में लाभ कमाता आ रहा था यानी अमेरिका से जितना आयात कर रहा था, उससे ज्यादा अमेरिका को निर्यात कर रहा था। जाहिर है कि ट्रम्प प्रशासन भारत के व्यापार लाभ को, व्यापार घाटे में तब्दील करने का इंतजाम कर रहा है। और यह व्यापार घाटा भी बहुत भारी होने वाला है। याद रहे कि 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत का कुल विदेश व्यापार घाटा 119.3 अरब डालर का था। वास्तव में यह घाटा इससे पहले के वर्ष के 94.66 अरब डालर से बढ़कर इस स्तर पर पहुंचा था। इस बढ़ते हुए व्यापार घाटे को, अमेरिका से 100 अरब डालर के माल हर साल खरीदने की बाध्यता, किस स्तर पर पहुंचा देगी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। यह भी याद रहे कि कुल विदेश व्यापार से भिन्न, जिसमें सेवाओं का निर्यात एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, मालों के व्यापार में भारत का घाटा और भी बढ़ा है। 2025–26 में यह घाटा 333.19 अरब डालर का था, जो उससे पहले के साल के 283.50 अरब डालर से ठीक–ठाक बढ़ोतरी को दिखा रहा था। अमेरिका से 100 अरब डालर सालाना के माल खरीदने की बाध्यता, जाहिर है कि इस असंतुलन को और बढ़ा देगी। एक अनुमान के अनुसार, इससे भारत का व्यापार घाटा दोगुना तक हो सकता है। जाहिर है कि यह एक ही झटके में भारत की विदेशी मुद्रा संसाधनों की बाल्टी की तली में बहुत बड़ा छेद किए जाने का मामला है। लेकिन, इसी महीने के शुरू में, विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के फौरन बाद, पांच दिन की विदेश यात्रा पर निकलने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले हैदराबाद में और फिर गुजरात में अपने भाषणों में जनता से कमखर्ची बल्कि कटौती करने की जो, देशभक्ति की दुहाई से भरी भावपूर्ण अपील की थी, उसका सार क्या था? विदेशी मुद्रा बचाओ! एक साल सोना न खरीदने या एक साल विदेश यात्रा न करने से लेकर, पेट्रोल–डीजल बचाने तक ही नहीं, खाने में कम तेल खाने से लेकर, रासायनिक खादों का कम उपयोग करने तथा वर्क फ्रॉम होम करने तक, सभी मांगों का एक ही लक्ष्य थाकृविदेशी मुद्रा बचाना! दूसरे शब्दों में, एक ओर तो प्रधानमंत्री द्वारा जनता से कष्टङ्ख उठाकर और उपभोग घटाकर विदेशी मुद्रा बचाने की मांग की जा रही थी, ताकि बाल्टी के छोटे–छोटे छेद बंद किए जा सकें और दूसरी ओर, उन्हीं की सरकार ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की कामयाबी में अपने योगदान के तौर पर, विदेशी मुद्रा की बाल्टी की तली ही निकालने की व्यवस्था कर रही थी। लेकिन, यह सिर्फ विदेशी मुद्रा संसाधनों या व्यापार नफा–नुकसान का ही मामला नहीं है। अमेरिकी विदेश सचिव बलपूर्वक इसकी भी याद दिलाते हैं कि भारत को अमेरिका से पांच साल में जो 500 अरब डालर के मालों की खरीदारी करनी होगी, उसके केंद्र में श्ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृषि (उत्पाद) होंगेय। याद रहे कि प्रौद्योगिकी के नाम पर भारत पर, रणनीतिक सहयोग के नाम पर रक्षा प्रौद्योगिकी से लेकर, नागरिक विमानों तथा नाभिकीय उपकरणों की जो बढ़ती हुई खरीद थोपी जा रही थी, उसे अगर हम फिलहाल छोड़ भी दें तो, ऊर्जा और कृषि, ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें अमेरिका से आयात न्यूनतम ही रहे हैं। वास्तव में कृषि के क्षेत्र में अमेरिका से आयातों से तो भारत बहुत ही सचेत रूप से अब तक बचता आ रहा था क्योंकि इसका सीधा असर करोड़ों किसानों पर पड़ेगा, जिनकी रोजी–रोटी इससे जुड़ी हुई है। हालांकि, अमेरिका से कृषि के क्षेत्र में क्या–क्या खरीदे जाने की तैयारी है, यह मोदी सरकार ने अपनी तरफ से अब तक सात पर्दों में छुपाकर रखा है, फिर भी अमेरिका से छुटपुट तौर पर आई जानकारियों से ऐसा लगता है कि, मुख्य अनाज की फसलों को छोड़कर, सोयाबीन, सूरजमुखी, मक्का, ज्वार समेत, अनेक फसलों से लेकर मेवों तथा सेब तक के उत्पादक, करोड़ों भारतीय किसानों की आजीविका के लिए खतरा न्यौता जा रहा है। और प्रकटत जिस तेल संकट के नाम पर, तमाम देशवासियों पर देशभक्ति दिखाने के लिए कटौती की शर्त थोपी जा रही है, उसका मामला तो और भी विचित्र है। रूबियो की भारत यात्रा के दौरान ही वाशिंगटन से इसकी खबर आई, जो जाहिर है कि मोदी सरकार की छवि बचाने की खातिर मीडिया में दबा ही दी गयी, कि रूस से तेल खरीदने की मोहलत बढ़ाने की भारत की प्रार्थना को, ट्रम्प प्रशासन ने खारिज कर दिया है। अमेरिकी पाबंदियों के दबाव में ईरान से तेल खरीदना बंद करने के बाद, ट्रम्प के विशेष टैरिफ ने भारत को रूस से तेल खरीदने से भी हाथ खींचने के लिए मजबूर कर दिया। ईरान पर अमेरिकी–इ□रायली हमले के बाद ट्रम्प प्रशासन ने तेल की कीमतों को थोड़ा ठंडा करने कोशिश में, रूस से तेल खरीदने की फिर से इजाजत दी भी, तो वह सीमित समय के लिए ही थी, जिसे अब वापस ले लिया गया है। दूसरी ओर, और भी विचित्र तरीके से, रूबियो ने दिल्ली के अपनी यात्रा के दौरान ही इसका भी ऐलान कर दिया कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रङ्खपति (वास्तव में उपराष्ट्रङ्खपति) अगले हफ्ते ही भारत यात्रा पर आ रही हैं। इशारा यह था कि भारत, अब वेनेजुएला का तेल खरीदे।

मुनाफे में सरकार, घाटे में जनता

केंद्र सरकार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों ने सोमवार, 25 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी। यह इस महीने की चौथी बढ़ोतरी है। पेट्रोल की कीमत औसतन 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की 2.71 रुपये प्रति

लीटर बढ़ी है। ध्यान रहे कि यह बढ़ोतरी ऐसे वक्त हुई है, जब सोमवार को ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम 8 प्रतिशत गिरकर, 100 डॉलर प्रति बैरल से कम होकर 96.83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गिरा है। सामान्य गणित तो यही है कि जिस चीज के दाम गिरें, वो आम जनता को भी उसी अनुपात में सस्ती होकर मिलनी चाहिए। लेकिन तेल का गणित बिल्कुल अलहदा है, या ऐसा भी कह सकते हैं कि मोदी सरकार का गणित यही है कि जनता से उगाही करके अपना घर भरें। यह भी नहीं है कि जनता से जो मुनाफा वसूली सरकार करती है, उसके बदले कहीं और जनता को राहत दी जा रही है। मोदी सरकार जितना भी मुनाफा कमा रही है, उससे उद्योगपतियों की जेबें भरी जा रही हैं। आम जनता के हिस्से केवल दर्द और तकलीफ ही दिख रही हैं। अब हाल ऐसा हो गया है कि पेट्रोल पंपों पर डीजल और पेट्रोल की किल्लत दिख रही है। अगर इनकी उपलब्धता है भी तो लोगों के पास उतने पैसे नहीं रह गए कि इत्मीनान से तेल भरवा सकें। लोग नाराजगी प्रकट भी करने लगे हैं, लेकिन अब शायद बहुत देर हो चुकी है। भाजपा ने इस तरह सत्ता से लेकर संवैधानिक संस्थाओं पर अपना शिकंजा कस लिया है कि उसे ढीला करते, कब्जा छुड़ाते शायद बरसों लगे। शायद यही कारण है कि भाजपा को अब लोगों की नाराजगी की भी परवाह नहीं है। कांग्रेस लगातार सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है, लोग उसमें शामिल भी हो रहे हैं। लेकिन भाजपा निश्चिंत है कि उसका कुछ बिगड़ नहीं सकता। यही वजह है कि अभी सरकार की चिंता में सबसे ऊपर महंगाई होनी चाहिए थी, लेकिन भाजपा की कई राज्य सरकारें बकरीद पर कुर्बानी और सड़क पर नमाज को लेकर फरमान जारी करने में व्यस्त हैं। 15 मई से शुरू हुई बढ़ोतरी में अब तक कुल करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है। सरकार के पास इसके पीछे रटा–रटाया बहाना है कि ईरान पर छेड़े गए युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद होने से तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। लेकिन विपक्ष इस बढ़ोतरी के लिए सरकार की नीतियों को भी जिम्मेदार बता रहा है। अगर अमेरिका के दबाव में आकर नरेन्द्र मोदी ने रूस से तेल खरीद बंद नहीं की होती तो हमें पहले की तरह रूस से सस्ती कीमतों पर कच्चा तेल मिलता रहता। लेकिन मोदी को अपना अच्छा मित्र बताकर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को लूटने का रास्ता खोला है और सरकार इसे देख कर भी अनदेखा कर रही है। अब हम रूस की जगह अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीद पर मजबूर कर दिए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025–26 में अमेरिका से तेल का आयात बढ़ा है। दूरी ज्यादा होने के कारण इसमें ढुलाई और इंश्योरेंस का खर्च 2–4 डॉलरध्बैरल अतिरिक्त लगता है। मतलब रूस की तुलना में हम अमेरिका से महंगा तेल खरीद रहे हैं। जिससे कई बिलियन डॉलर का सालाना नुकसान होने की आशंका है। इसके अलावा भारत की रिफाइनरियां अमेरिकी तेल के शोधन के लिए नहीं बनी हैं। ऐसे में फाइनरियों का लाभ भी दो प्रतिशत घटेगा। सबसे बड़ी आशंका तो डोनाल्ड ट्रंप के व्यवहार को लेकर है, जो कभी भी कैसा भी फैसला लेते हैं। मान लें कि मोदी को मित्र बताते–बताते अगर ट्रंप ने अमेरिका से आने वाले तेल को और महंगा कर दिया तो मोदी इसका प्रतिवाद भी नहीं करेंगे, पिछले अनुभव यही बताते हैं। मोदी पर देशहित में सही फैसले लेने का दबाव बनाया जा सकता है, बशर्ते मीडिया चाटुकारिता छोड़े और सही–सही तस्वीर सामने रखे। लेकिन अभी कई नामी–गिरामी एंकर पेट्रोल–डीजल की महंगाई को देशहित में वाजिब बता रहे हैं। इसी तरह केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य और भाजपा के नेता, नीति आयोग में बैठे लोग, अधिकारी ये सब भी सच्चाई से जानबूझ कर मुंह मोड़ते दिख रहे हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाना है। वर्ना यही सारे लोग यूपीए सरकार के वक्त महंगाई पर आलोचना करने में जरा संकोच नहीं करते थे। अब तो आलम ऐसा हो चुका है कि महंगाई डायन खाए जात है, जैसे गीत पर भी प्रतिबंध लगाया जा रहा है। हालांकि कांग्रेस अब भी सरकार को आईना दिखाने का काम कर रही है। सोमवार को बढ़ी कीमतों पर राहुल ने एक्स पर लिखा है– महंगाई मानव मोदी का फिर से हमला। पेट्रोल–डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं– ताकि चुपके–चुपके आपकी जेब कटती रहे। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम थीं तब लाभ जनता को नहीं दिया गया, लेकिन अब बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार रोजाना पेट्रोल–डीजल पर हजारों करोड़ रुपये टैक्स वसूल रही है। पाठकों को बता दें कि कीमत बढ़ाने के पीछे सरकारी तेल कंपनियों का तर्क है कि चार साल तक कीमतें फ्रीज रखने के बाद अब घाटे की भरपाई के लिए यह कदम जरूरी हो गया। लेकिन घरेलू खुदरा तेल बाजार पर 90 प्रतिशत से अधिक नियंत्रण रखने वाली तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों ने जनवरी–मार्च 2026 की तिमाही में शानदार संयुक्त शुद्ध मुनाफा कमाया है। बीते वर्ष इसी अवधि के मुकाबले 40.74प्रतिशत बढ़कर मुनाफा 19,470 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच तनाव से पहले तक कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहने के कारण कंपनियों को रिफाइनिंग और मार्केटिंग मार्जिन का भारी फायदा मिला, जिससे मुनाफे में यह ऐतिहासिक उछाल दर्ज किया गया। यानी ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए नरेंद्र मोदी के पास अभी भी काफी गुंजाइश है, लेकिन बोझ जनता पर डाला जा रहा है।

निर्देशक अहमद खान ने वेलकम टू द जंगल को बताया कंप्लीट मसाला पैकेज, फिल्म में हैं पांच दिलचस्प गाने

अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल 26 जून को होगी रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले इसके निर्देशन अहमद खान ने फिल्म को लेकर कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। साथ ही बताया है कि इस फिल्म में 5 मजेदार गाने होंगे। इनमें से एक गाना घिस घिस हाल ही में फिल्म निर्माताओं द्वारा रिलीज किया जा चुका है। अहमद खान के निर्देशन में बनी फिल्म वेलकम 3 की चर्चा इस समय हर तरफ है। करीब 30 कलाकारों से सजी यह एक कॉमेडी फिल्म है, जो 26 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्माताओं ने अब तक इसके दो गाने रिलीज किए हैं। पहला इसका टाइटल ट्रैक और दूसरा घिस घिस घिस...। भोजपुरी अंदाज वाला घिस घिस घिस गाना लोगों को काफी पसंद आ रहा है, जिसमें अक्षय कुमार का एक नया रूप देखने को मिल रहा है। निर्देशक अहमद खान ने बताया कि वेलकम टू द जंगल एक कॉमोडी फिल्म है। उन्होंने खुलासा किया कि इस फिल्म में पांच मुख्य गाने हैं। इसके अलावा कुछ छोटे–छोटे गाने भी हैं, जो फिल्म की कहानी और माहौल को मजेदार बनाते हैं। कॉमेडी को ध्यान में रखते हुए इन गानों को तैयार किया गया है। इन गानों में बहुत सोच–समझकर कोरियोग्राफी की गई है। अहमद खान ने फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला की तारीफ करते हुए उन्हें बहुत साहसी बताया। उन्होंने कहा कि तमाम मुश्किलों के बाद भी फिरोज ने उनका साथ दिया और इस बड़े बजट की फिल्म को वैसा ही बनने दिया जैसा वह चाहते थे। अहमद खान ने कहा कि यह फिल्म दर्शकों के लिए मनोरंजन का एक पूरा मसाला पैकेज होने वाली है। फिल्म का नया गाना घिस घिस घिस एक धमाकेदार भोजपुरी स्टाइल गाना है। इसे विक्रम मोंट्रोज ने कंपोज किया है और उन्होंने सुप्रिया पाठक के साथ मिलकर इसे गाया है। इस गाने में अक्षय कुमार और अक्षरा सिंह मुख्य भूमिका में जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस गाने का डांस गणेश आचार्य ने तैयार किया है। वेलकम टू द जंगल इस साल की सबसे बड़ी कॉमेडी फिल्मों में से एक है। इसमें लगभग 30 नामी कलाकार एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस, आफताब शिवदासानी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पाटनी, उर्वशी रौतेला, फरीदा जलाल, दलेर मेहंदी, और कृष्णा अभिषेक हैं।

> “ अहमद खान ने फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला की तारीफ करते हुए उन्हें बहुत साहसी बताया। उन्होंने कहा कि तमाम मुश्किलों के बाद भी फिरोज ने उनका साथ दिया और इस बड़े बजट की फिल्म को वैसा ही बनने दिया जैसा वह चाहते थे।

अनुराग कश्यप की 'बंदर' पर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंटा

बॉबी देओल की फिल्म बंदर का ट्रेलर आउट होते ही, फिल्म की कहानी और इसके मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। सवाल गंभीर हैकृक्या वाकई हमारे समाज में पुरुषों की भावनाओं को कचरे के डिब्बे में डाल दिया जाता है और उनके साथ सौतेला व्यवहार होता है, या फिर वे इसके हकदार हैं? हम सब जानते हैं कि अनुराग कश्यप की फिल्मों के नाम जितने सीधे दिखते हैं, उनके मायने उतने ही गहरे और सिम्बॉलिक होते हैं। बॉबी देओल के साथ आ रही उनकी इस लेटेस्ट फिल्म का नाम बंदर क्यों रखा गया, इसका अंदाजा आपको पहले ट्रेलर देखकर और फिर पूरी फिल्म देखकर ही लगेगा। घ्इस बीच, मेंस राइट्स और समान अधिकारों के लिए मुखर रहने वाली सोशल एक्टिविस्ट दीपिका नारायण भारद्वाज इस फिल्म के सपोर्ट में उतर आई हैं। उन्होंने इस बात पर रोशनी डाली है कि कैसे झूठे मुकदमों और आरोपों के चलते न जाने कितने ही पुरुष अंदर ही अंदर पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। उन्होंने दर्द बयां करते हुए कहा कि आज पुरुषों का मजाक उड़ाना इतना आम हो चुका है कि उनके इमोशनल अब्यूज, हैरेसमेंट, सामाजिक बेइज्जती और डिप्रेशन का समाज में सरेआम मजाक उड़ाया जाता है। दीपिका के मुताबिक, यही वो सबसे बड़ी वजह है जिसके कारण आज के समय में बंदर जैसी फिल्मों का पर्दे पर आना बेहद जरूरी और प्रासंगिक हो जाता है। दूसरी तरफ, फिल्म डायरेक्टर रुचि नरेन इस मुद्दे पर दीपिका के दावों के खिलाफ खुलकर सामने आ गई हैं। उनका मानना है कि बॉलीवुड के पास पुरुषों को प्रोटेक्ट करने और उनका साथ देने का जिगरा हमेशा से रहा है, लेकिन महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं देखा जाता क्योंकि उन्हें काम से और लाइमलाइट से बाहर कर दिया जाता है।

क्या करिश्मा कपूर के बच्चों की फीस जमा करेंगी प्रिया सचदेव ? संपत्ति विवाद के बीच अदालत को दिए ऐसे तर्क

दिवंगत व्यवसायी संजय कपूर की संपत्ति को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में एक नया मोड़ आ गया है। उनकी मां रानी कपूर, विधवा प्रिया सचदेव और पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चों के बीच विवाद चल रहा है। इस बीच खबर आ रही है कि प्रिया ने संपत्ति से पैसे निकालने की अनुमति मांगी है, ताकि वह करिश्मा के बच्चों की फीस जमा कर सकें। मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रिया की तरफ से दायर एक अर्जी पर नोटिस जारी किया। प्रिया ने इस अर्जी में संजय के एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड (ईपीएफ) खातों तक पहुंचने की इजाजत मांगी है। प्रिया ने तर्क दिया है कि वह संजय की पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर से हुए बच्चों समायरा और कियान की स्कूल फीस जमा करना चाहती हैं। इस अर्जी पर 26 मई को सुनवाई हुई। इसमें 30 अप्रैल को एक दूसरी पीठ की तरफ से जारी किए गए अंतरिम आदेश में बदलाव की मांग की गई थी। उस अंतरिम आदेश के तहत, संपत्ति के उत्तराधिकार को लेकर चल रही लड़ाई के बीच संजय कपूर की संपत्ति को फ्रीज (जब्त) कर दिया गया था। अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, प्रिया ने अंतरिम आदेश में बदलाव करने का अनुरोध किया है। 30 अप्रैल के आदेश में संजय की निजी संपत्ति और कॉर्पोरेट होल्डिंग्स को बेचने, हस्तांतरित करने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, अदालत ने उनके बच्चों से जुड़े जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए एक सीमित छूट दी थी। अब, प्रिया ने अदालत से अनुमति मांगी है कि ताकि वह दिवंगत उद्योगपति के प्रोविडेंट फंड खातों से पैसे निकाल सकें। इससे पहले, एक सुनवाई के दौरान, करिश्मा की कानूनी टीम ने यह दावा किया था कि उनकी बेटी समायरा की कॉलेज फीस का भुगतान नहीं किया गया है, क्योंकि उनके दिवंगत पूर्व पति संजय कपूर की संपत्ति का प्रबंधन देखने वालों ने अभी तक भुगतान नहीं किया है। बाद में, प्रिया ने अदालत में इस दावे का खंडन किया और उनके वकील ने फीस के भुगतान की रसीदें अदालत के सामने पेश कीं। इन रसीदों से यह पता चला कि प्रति सेमेस्टर 95 लाख रुपये का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। आपको बता दें कि संजय का निधन 12 जून, 2025 को इंग्लैंड में हुआ था। संजय और प्रिया ने वर्ष 2017 में शादी की थी और उनका एक बेटा है, जिसका नाम अजारियस है। इस बिजनेसमैन ने पहले करिश्मा कपूर से शादी की थी। दोनों के दो बच्चे समायरा और कियान हैं। उनकी मौत के बाद से, परिवार उनकी संपत्ति को लेकर कोर्ट में आपस में झगड़ रहा है।

नौ साल की बच्ची के साथ नाना ने की घिनौनी हरकत, भूमि पेडनेकर हुई हैरान, बलिया दुष्कर्म मामले पर सुनाई खरी–खरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अक्सर समाज के ज्वलंत मुद्दों पर अपनी राय रखती हैं। ऐसा लगता है कि भूमि ने इन दिनों महिलाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर एक मुहिम चलाई है। उन्होंने हाल ही में एक 50 साल के शख्स की तरफ से अपनी नौ साल की नातिन का यौन शोषण किए जाने के मामले में प्रतिक्रिया दी है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भूमि ने लिखा कि एक 50 साल के शख्स ने अपनी नौ साल की नातिन के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। उसे उसके पड़ोसियों ने रोका। हैरत की बात है कि यह लड़की उसकी बेटी की बेटी थी। इससे पहले भूमि पेडनेकर ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक 9 साल की दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने बच्चों के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा श्प्लीज पढ़ें! एक 9 साल की बच्ची का 11 और 12 साल के दो लड़कों ने यौन शोषण किया। यह सब क्या बकवास चल रही है! हम अपने बच्चों के साथ जो कर रहे हैं, उसे देखकर हम न तो चिंतित हैं और न ही शर्मिंदा। मेरे हिसाब से, वह छोटी बच्ची और वे लड़के, दोनों ही एक टूटे हुए समाज के शिकार हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें कुछ युवा पोस्टर में बनी एक महिला के साथ घिनौनी हरकत कर रहे थे। इस पर अभिनेत्री ने कहा था यह हैं हमारे युवाओं की मानसिकता। ये वही लोग हैं जो आगे चलकर बच्चों और महिलाओं का यौन उत्पीड़न करेंगे। हम एक महामारी के दौर से गुजर रहे हैं। सिर्फ बातें करना और शर्मिंदगी जाहिर करना काफी नहीं है। सख्त कानून की जरूरत है। भूमि पेडनेकर को आखिरी बार सीरीज दलदल में देखा गया था। यह सीरीज भिंडी बाजार किताब पर आधारित है। इसमें उन्होंने डीसीपी रीता फरेरा का किरदार निभाया है। इसमें समारा तिजोरी और आदित्य रावल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज 30 जनवरी को रिलीज हुई थी।

क्या फिर बनेगी 'हाइवे' वाली जादुई जोड़ी? इम्तियाज अली ने दिया बड़ा हिंट, कहा– 'मेरी नजर फिर आलिया भट्ट पर है'

इम्तियाज अली और आलिया भट्ट ने फिल्म 'हाइवे' के साथ हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार एक्टर–डायरेक्टर जोड़ियों में से एक बनाई थी। दोनों ने अब तक सिर्फ एक ही फिल्म साथ में की है, लेकिन 2014 में आई यह रोड ड्रामा आज भी उनके करियर की खास फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म ने आलिया के एक्टिंग करियर को एक नई दिशा दी और इम्तियाज को ऐसे निर्देशक के तौर पर और मजबूत किया जो इमोशंस से भरे किरदार बनाते हैं। अब, एक दशक से ज्यादा समय बाद, इम्तियाज अली ने इशारा दिया है कि शायद दोनों फिर से साथ काम कर सकते हैं। इंडिया टुडे से बातचीत में इम्तियाज ने आलिया के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैंने उन्हें हाल ही में देखा और वो बहुत खूबसूरत लग रही थीं। तो अब मेरी नजर फिर से उन पर है।' उन्होंने यह भी कहा कि एक डायरेक्टर के तौर पर वो हमेशा आलिया जैसे कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं। हालांकि इम्तियाज ने यह साफ नहीं किया कि कोई नया प्रोजेक्ट बन रहा है या नहीं, लेकिन उनकी बातों से 'हाइवे' की यादें फिर ताजा हो गईं और यह दिखाता है कि उस फिल्म का असर कितना गहरा था। काम की बात करें तो इम्तियाज अली की अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' आने वाली है, जिसमें शरवरी वाघ, वेदांग रैना, दिलजीत दोसांझ और नसीरुद्दीन शाह नजर आएंगे। वहीं आलिया भट्ट के पास भी कई बड़ी फिल्में हैं, जिनमें 'अल्फा' और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' शामिल हैं।

24 घंटे कुछ न खाने से होते हैं शरीर में पॉजिटिव चेंज, जानिए रिसर्च क्या कहती है

इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी सीमित समय के लिए भोजन से परहेज करना, आजकल सेहत को लेकर एक चर्चित विषय बना हुआ है। खासकर जब बात 24 घंटे तक कुछ न खाने की हो, तो यह सवाल उठता है, क्या इससे सिर्फ वजन ही नहीं घटता, बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर से भी बचाव हो सकता है? इस सवाल का जवाब जानने से पहले यह समझना जरूरी है कि शरीर में 24 घंटे भूखे रहने से क्या बदलाव होते हैं, और यह कैसे हमें बीमारियों से बचा सकता है।

क्या होता है 24 घंटे फास्टिंग में?

जब आप लगातार 24 घंटे तक कुछ नहीं खाते, तो यह इंटरमिटेंट फास्टिंग का ही एक रूप होता है। इस दौरान शरीर को बाहर से ऊर्जा नहीं मिलती, तो वह अंदर जमा ग्लूकोज और फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने लगता है। इसी प्रक्रिया में शरीर में ऑटोफैजी नाम की एक प्राकृतिक सेल क्लीनिंग प्रक्रिया सक्रिय होती है।

क्या है ऑटोफैजी?

ऑटोफैजी एक ऐसा जैविक सिस्टम है जिसमें हमारी कोशिकाएं खुद को साफ करती हैं। यानी पुराने, खराब या बेकार हिस्सों को तोड़कर उन्हें फिर से नए सेल्स के निर्माण में इस्तेमाल करती हैं। जापान के वैज्ञानिक योशिनोरी ओसुमी ने इस पर गहन रिसर्च की थी, और उन्हें इसके लिए 2016 में नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने बताया था कि

ऑटोफैजी प्रक्रिया

कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोक सकती है। न्यूरोलॉजिकल बीमारियों (जैसे अल्जाइमर, पार्किंसंस) से भी बचाव कर सकती है।

फास्टिंग और सूजन में कमी

फास्टिंग करने से शरीर में सूजन के संकेतक जैसे सीआरपी और आईएल–6 में कमी आती है। सूजन यानी आज हार्ट डिजीज, कैंसर, डायबिटीज और ब्रेन डिजीज का बड़ा कारण माना जाता है। ऐसे में इसे नियंत्रित करना सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

फास्टिंग के अन्य फायदे

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है। जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है, और यह कुछ प्रकार के कैंसर से भी जुड़ा है

वजन घटाने में मददगार। शरीर जमा फैट को एनर्जी में बदलता है

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाता है। फोकस, मेमोरी और एकाग्रता में सुधार होता है

क्या फास्टिंग से कैंसर का खतरा कम हो सकता है?

रिसर्च बताती है कि फास्टिंग से शरीर में कैंसर सेल्स के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। जर्मनी और इटली के वैज्ञानिकों (जैसे डॉ. वाल्टर लोंगो) ने अपनी स्टडी में यह पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोक सकती है। प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया कि फास्टिंग लिम्फोमा (एक प्रकार का कैंसर) के विकास को रोक सकता है।

24 घंटे तक फास्टिंग करना यानी कुछ न खाना शरीर के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

यह न सिर्फ वजन घटाने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है, बल्कि शरीर में ऑटोफैजी जैसी प्रक्रिया को एक्टिव कर, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षा दे सकता है। हालांकि, किसी भी तरह की फास्टिंग या डाइट को अपनाने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए, खासकर अगर आपको पहले से कोई बीमारी है।

आइसक्रीम खाने के बाद इन चीजों का सेवन है बेहद नुकसानदायक, हो सकती हैं पाचन संबंधी समस्याएं

गर्मियों ने दस्तक दे दी है तो ऐसे में लोग खुद को कूल रखने के लिए आइसक्रीम का सहारा ले रहे हैं। इससे पेट को कुछ समय के लिए तो गर्मी से राहत मिलती है, लेकिन इसे खाने के बाद लापरवाही बतरने से पाचन तंत्र और सेहत से जुड़ी कई सारी समस्याएं हो सकती हैं। दरअसल, आइसक्रीम खाने के बाद कई बार लोग अनजाने में कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेते हैं जो बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है।

आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

चाय– कॉफी

आइसक्रीम खाने के बाद चाय– कॉफी या अन्य कैफीनेटेड ड्रिंक्स पीने की तलब आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे गले में दर्द, खराश और खांसी के अलावा पेट में दर्द जैसी शिकायत भी हो सकती है। ऐसे में पेट का तापमान एकदम से बदल जाता है जो कि बेहतर पाचन के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है।

खट्टे फल

खट्टे फल वैसे तो सेहत के लिए वैसे तो अच्छे होते हैं, लेकिन आइसक्रीम खाने के बाद इसका सेवन न करें। ऐसा करने से आपको गैस और अपच की परेशानी हो सकती है। खट्टे फलों में मौजूद एसिड पाचन को खराब करने का काम करता है।

ठंडा पानी

आइसक्रीम खाने के बाद पानी पीने का मन आपका भी करता ही होगा और आप बिना सोच– समझे इसे पीते भी जरूर होंगे। लेकिन बता दें, ये गैस, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। इसके साथ ही, पाचन को स्लो भी बनाता है।

स्पाइसी फूड

अगर मीठी आइसक्रीम खाने के बाद कुछ स्पाइसी खाने की तलब होती है तो खुद को रोखिए। स्पाइसी फूड्स में कैप्साइसिन पाया जाता है, जो कि डेयरी प्रोडक्ट्स यानी दूध के साथ मिलकर रिएक्शन कर सकता है।

अल्कोहल न लें

शराब तो वैसे भी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती है। बता दें, कि इससे पाचन धीमा हो जाता है और आपको पेट में उथल– पुथल से जूझना पड़ सकता है। इसके अलावा ये उल्टी और दस्त की भी वजह बन सकता है।

गर्मियों की तेज धूप से झुलस गई है स्किन तो अपनाएं ये देसी उपाय

गर्मियों में तेज धूप, गर्म हवाएं और पसीना हमारी त्वचा पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। लंबे समय तक धूप में रहने से चेहरे पर टैनिंग हो जाती है, जिससे स्किन डल, बेजान और काली दिखने लगती है। कई लोग इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और पार्लर ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी स्किन की खोई हुई चमक वापस लाने में मदद कर सकते हैं। रसोई में मौजूद प्राकृतिक चीजें न सिर्फ टैनिंग कम करती हैं, बल्कि त्वचा को साफ, मुलायम और ग्लोइंग भी बनाती हैं। इन उपायों का सही तरीके से इस्तेमाल करने पर साइड इफेक्ट का खतरा भी कम होता है।

दही और शहद का फेस पैक

दही स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड डेड स्किन को हटाने में मदद करता है, जिससे टैनिंग धीरे–धीरे कम होने लगती है। वहीं शहद त्वचा को मॉइश्चर देता है और उसे सॉफ्ट बनाता है।

कैसे इस्तेमाल करें: 2 चम्मच दही में 1 चम्मच शहद मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में 2,3 बार इस्तेमाल करने से अच्छा असर दिख सकता है।

पपीते का फेस पैक

पका हुआ पपीता स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद पपेन एंजाइम डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को साफ बनाता है।

कैसे इस्तेमाल करें: पपीते को मैश करके चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद धो लें। इससे स्किन फ्रेश और ग्लोइंग दिखती है।

बेसन और हल्दी का उबटन

बेसन और हल्दी का उपयोग भारतीय घरों में लंबे समय से स्किन केयर के लिए किया जाता रहा है। बेसन त्वचा की गहराई से सफाई करता है और हल्दी स्किन को नेचुरल ग्लो देती है।

कैसे इस्तेमाल करें: 2 चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी और थोड़ा दूध या गुलाब जल मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें और हल्के हाथों से रगड़कर धो लें।

एलोवेरा और टमाटर

धूप में ज्यादा रहने से स्किन पर जलन और लालपन भी हो सकता है। ऐसे में एलोवेरा स्किन को ठंडक और हाइड्रेशन देता है। टमाटर में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को ब्राइट बनाने में मदद करते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें: एलोवेरा जेल में टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद धो लें।

लगाने से पहले ध्यान दें

किसी भी घरेलू उपाय को लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें

अगर जलन, खुजली या एलर्जी हो तो तुरंत इस्तेमाल बंद करें

घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें

गर्मियों में टैनिंग एक आम समस्या है, लेकिन सही घरेलू उपाय अपनाकर इसे काफी हद तक कम किया जा सकता है। नियमित स्किन केयर, प्राकृतिक फेस पैक और सही देखभाल से त्वचा फिर से साफ, हेल्दी और नैचुरल ग्लो वाली बन सकती है।

कैंसर का कारण बन सकती है गर्म चाय की ज्यादा चुस्कियां

दुनिया भर में ज्यादातर लोग हर दिन एक या दो कप गर्म चाय का मजा लेते हैं, लेकिन क्या यह गर्म पेय हमें नुकसान पहुंचा सकता है? हाल के कुछ अध्ययनों में बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने और कुछ खास तरह के कैंसर के बीच एक संबंध पाया गया है। एक स्टडी में पाया गया कि जो लोग रोजाना 700 मिलीलीटर गर्म चाय पीते थे, जिसका तापमान 60सी या उससे ज्यादा (140एफ) होता था, उनमें इसोफेगल कैंसर का खतरा 90 प्रतिशत तक बढ़ गया था।

इसोफेगल कैंसर और बहुत ज्यादा गर्म पेय

इसोफेगस का कैंसर, या इसोफेगल कैंसर, कैंसर का एक खास प्रकार है जो बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने से जुड़ा है। इसोफेगस एक खोखली, मांसपेशियों वाली नली होती है जो तरल पदार्थ, लार और चबाए हुए भोजन को मुंह से आपके पेट तक पहुंचाती है। स्फिंक्टर मांसपेशियां कहलाती गोलाकार मांसपेशियां इसके दोनों सिरों को खोलती और बंद करती हैं। इसोफेगल कैंसर तब होता है जब इसोफेगस में कोई ट्यूमर पनपने लगता है या जब इसोफेगस की अंदरूनी परत की कोशिकाएं बदल जाती हैं। हालांकि, अन्य मेडिकल रिसर्च (विश्वसनीय स्रोत) से पता चलता है कि सिर्फ गर्म चाय पीने से कैंसर नहीं होता है। बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने के साथ–साथ अगर दूसरे जोखिम कारक (विश्वसनीय स्रोत) भी हों, तो कुछ तरह के कैंसर होने की संभावना बढ़ सकती है। इन जोखिमों में शामिल हैं सिगरेट या शीशा (हुक्का) पीना, शराब पीना, तंबाकू चबाना, खान–पान, वायु प्रदूषण के संपर्क में आना

इसोफेगल कैंसर के दो मुख्य प्रकार होते हैं

स्क्वैमस सेल कार्सिनोमारू इस प्रकार का कैंसर तब होता है जब इसोफेगस के अंदरूनी हिस्से में मौजूद चपटी और पतली कोशिकाएं बदल जाती हैं। एडेनोकार्सिनोमारू इस प्रकार का कैंसर तब होता है जब कैंसर की शुरुआत इसोफेगस की म्यूकस नलिकाओं में होती है। यह आमतौर पर इसोफेगस के निचले हिस्से में होता है। इसोफेगल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ईएससीसी) कैंसर का वह प्रकार है जिसे ऊपर बताई गई स्टडी में गर्म चाय पीने से जुड़ा पाया गया था।

इसोफेगल कैंसर के लक्षण क्या हैं?

ईएससीसी या किसी भी प्रकार के इसोफेगल कैंसर का सबसे आम लक्षण है निगलने में कठिनाई या दर्द होना। इसोफेगल कैंसर के लक्षण निगलने में दर्द या कठिनाई के अलावा, ईएससीसी के अन्य लक्षणों में ये शामिल हो सकते हैं

–लंबे समय तक रहने वाली खांसी

–अपच या सीने में जलन

–आवाज में भारीपन या बदलाव

–वजन कम होना

–भूख कम लगना

– इसोफेगस में रक्तस्राव होना

दूसरे गर्म पेय पदार्थों के बारे में क्या?

कोई भी बहुत गर्म पेय पदार्थ सिर्फ चाय ही नहीं पीने से आपको इसोफेगल कैंसर (भोजन–नली का कैंसर) होने का खतरा बढ़ सकता है। इसमें गर्म पानी, कॉफी और हॉट चॉकलेट शामिल हैं। इस बात पर और ज्यादा रिसर्च की जरूरत है कि गर्म चाय और दूसरे पेय पदार्थ पीने से इसोफेगल कैंसर का खतरा क्यों बढ़ सकता है। एक थ्योरी यह है कि गर्म चाय इसोफेगस की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे शराब और सिगरेट के धुएं जैसे कैंसर पैदा करने वाले दूसरे पदार्थों का अंदर जाना आसान हो जाता है। जीवनशैली में बदलावों का मेल जैसे धूम्रपान छोड़ना, शराब का सेवन कम करना और पेय पदार्थों को पीने से पहले ठंडा होने देना आपको कुछ खास तरह के कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकता है।

संक्षिप्त

एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता रणधीर सिंह का निधन, भारतीय खेल जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ प्रशासक और एशियाई खेलों में भारत के पहले शूटिंग स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। बताया गया है कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। बाद में उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। रणधीर सिंह ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें वर्ष 2024 में चार साल के कार्यकाल के लिए ओसीए का अध्यक्ष चुना गया था। वह लंबे समय तक एशियाई और भारतीय खेल प्रशासन से जुड़े रहे और खेलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रणधीर सिंह भारत के पहले ऐसे निशानेबाज थे जिन्होंने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय शूटिंग के इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है। खेल प्रशासन में आने के बाद भी उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों और खेल संगठनों के लिए लगातार काम किया। रणधीर सिंह के निधन की खबर सामने आने के बाद खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई। खिलाड़ियों, खेल प्रशासकों और खेल प्रेमियों ने उनके योगदान को याद किया। भारतीय खेलों में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

वैभव की दीवानगी सात समंदर पार

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब सिर्फ क्रिकेट फैंस के बीच ही नहीं, बल्कि दूसरे खेलों की दुनिया में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार ड्रू मैकइंटायर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जिम में एक्सरसाइज करते नजर आए। खास बात यह रही कि उन्होंने इस दौरान वैभव सूर्यवंशी की जर्सी पहन रखी थी। मैकइंटायर ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, चोजन वन यानी विशेष रूप से चुना गया इंसान। इसके बाद यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस ने इसे वैभव के बढ़ते स्टारडम का बड़ा संकेत माना। ड्रू मैकइंटायर की पोस्ट पर राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने भी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा, श्ओएमजीजीजी... याद नहीं मैंने 2ज्ञ में कितने फ्यूचर शॉक डीडीटी लगाए हैं।श रियान का यह कमेंट सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक अकाउंट ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, शनिश्चित तौर परश, यानी वैभव सच में विशेष रूप से चुने गए इंसान हैं। अब सभी की निगाहें राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले एलिमिनेटर मुकाबले पर हैं। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए करो या मरो जैसा होगा, क्योंकि हारने वाली टीम सीधे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, जबकि जीतने वाली टीम क्वालिफायर–2 में पहुंचेगी। वैभव सूर्यवंशी इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं और ऑरेंज कैप की रेस में भी मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी लीग मैच में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। ऐसे में वह एलिमिनेटर में दमदार वापसी करना चाहेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद इस मुकाबले में आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। टीम ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था। कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम ने 14 मैचों में 18 अंक हासिल किए, लेकिन नेट रन रेट कम होने के कारण उसे तीसरे स्थान पर रहकर एलिमिनेटर खेलना पड़ रहा है। हालांकि इस बार राजस्थान रॉयल्स के सामने "वैभव सूर्यवंशी तूफान" सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है। युवा बल्लेबाज का फॉर्म और बढ़ता आत्मविश्वास टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

आरसीबी के फाइनल में पहुंचने पर भावुक हुए माल्या!

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के क्वालिफायर–1 मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 92 रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर लिया। ध र्मशाला में खेले गए इस मुकाबले के बाद टीम के पूर्व मालिक विजय माल्या का सोशल मीडिया पोस्ट काफी चर्चा में रहा। आरसीबी की जीत के बाद विजय माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीम को बधाई देते हुए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने लिखा, आरसीबी के नाम्मा डोड्डा सिम्हागुलु (हमारे शेरों) को धर्मशाला में शानदार जीत के लिए बहुत–बहुत बधाई। आप बेंगलुरु के शेरों की तरह दहाड़े और डिफेंडिंग चौंपियन के रूप में आईपीएल फाइनल में पहुंच गए।श माल्या का यह पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आरसीबी के फैंस ने भी टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने पांच विकेट पर 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

नॉर्वे शतरंज में दिव्या देशमुख का कमाल, हम्पी को आर्मागेडन में हराया, गुकेश–प्रज्ञानंद को निराशा

ओस्लो,एजेंसी। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत की युवा ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की नंबर–1 महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को आर्मागेडन मुकाबले में हराया। वहीं ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों डी गुकेश और आर प्रज्ञानंद का दिन निराशाजनक रहा। प्रज्ञानानंदा को अलीरेजा फिरोजा से हार मिली, जबकि गुकेश आर्मागेडन टाईब्रेकर में वेस्ली सो के खिलाफ मुकाबला गंवा बैठे। दूसरी ओर मैग्नस कार्लसन ने भी आर्मागेडन जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में वापसी की। दिव्या देशमुख ने नॉर्वे चेस महिला वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए भारत की दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को आर्मागेडन मुकाबले में मात दी। ओस्लो के डाइकमैन ब्योर्विका लाइब्रेरी में खेले गए इस मुकाबले में दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। क्लासिकल गेम में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने आक्रामक शुरुआत की और किंग्साइड पर लगातार दबाव बनाया। उनकी चाल मैच का अहम मोड़ साबित हुई, जिससे हम्पी की स्थिति मुश्किल में आ गई। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने ड्रॉ पर सहमति जताई और मुकाबला आर्मागेडन तक पहुंच गया। आर्मागेडन मुकाबले में दिव्या ने एंडगेम में बेहतरीन रणनीति दिखाई। उनके नाइट की सक्रियता और क्वीनसाइड पर बढ़त ने हम्पी को लगातार दबाव में रखा। प्यादा और महत्वपूर्ण खानों पर नियंत्रण ने दिव्या को निर्णायक बढ़त दिलाई। आखिरकार एक और चाल के बाद हम्पी की स्थिति कमजोर हो गई और उन्हें हार माननी पड़ी। यह नॉर्वे चेस महिला टूर्नामेंट में दिव्या की लगातार दूसरी आर्मागेडन जीत रही। ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा नहीं रहा। प्रज्ञानंद को फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरूजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फिरोजा ने शानदार रणनीतिक खेल दिखाते हुए प्रज्ञानंद को पूरे मुकाबले में दबाव में रखा। क्वींस गैम्बिट डिक्लाइंड ओपनिंग में फिरोजा ने बेहतर प्यादा संरचना और सक्रिय रूक के दम पर बढ़त बनाई। इसके बाद प्रज्ञानंद ने हार स्वीकार कर ली। इस जीत के साथ फिरोजा ओपन वर्ग में छह में से छह अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गए।वहीं गुकेश ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के खिलाफ क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ खेला, लेकिन आर्मागेडन में हार गए। वेस्ली सो ने सटीक चालों से गुकेश के किंग्साइड को कमजोर कर निर्णायक हमला बोला। दूसरी ओर विश्व नंबर–एक मैग्नस कार्लसन ने जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ आर्मागेडन जीत दर्ज की। मुकाबले के बाद कार्लसन ने अपने खेल को लेकर मजेदार अंदाज में कहा, श्मुझे लगता है कि यह मुकाबला शर्मिंदगी से भरा था। ऐसा लग रहा था कि हमारी हर चाल कोई पोजिशनल गलती थी।

17 वर्षीय कुआमे ने रचा इतिहास, गॉफ–सबालेंका और ओसाका की दमदार शुरुआत

धर्मशाला,एजेंसी। मोयसे कुआमे ने फ्रेंच ओपन में अपने ग्रैंड स्लैम डेब्यू को यादगार बना दिया। 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मारीन सिलिच को 7–6(4), 6–2, 6–1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। रोलां गैरों में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच कुआमे ने बेहद परिपक्व खेल दिखाया। विश्व रैंकिंग में 318वें स्थान पर मौजूद यह खिलाड़ी 2008 या उसके बाद जन्मे पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जीत दर्ज की है। वह 1991 के बाद रोलां गैरों में मैच जीतने वाले सबसे युवा फ्रांसीसी खिलाड़ी भी बने। मैच के बाद कुआमे ने कहा, श्मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा था। हमने टीम के साथ रणनीति पर बहुत काम किया था। यहां के माहौल और दर्शकों को मैं पहले से थोड़ा जानता था, इसलिए आत्मविश्वास बना रहा। मौजूदा चौंपियन कोको गॉफ ने हमवतन टेलर टाउनसेंड को 6–4, 6–0 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि मैच की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही और टाउनसेंड ने शुरुआती गेम में उनकी सर्विस तोड़ दी थी। लेकिन इसके बाद गॉफ ने शानदार वापसी की और मैच के आखिरी 12 में से 11 गेम जीत लिए। दूसरे सेट में टाउनसेंड एक भी गेम नहीं जीत सकीं। गॉफ ने लगातार सातवीं बार फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई है। विश्व नंबर–1 अरीना सबालेंका ने स्पेन की जेसिका बौजास मानेइरो को 6–4, 6–2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। गर्म मौसम और तेज क्ले कोर्ट पर सबालेंका ने नेट के पास आक्रामक खेल दिखाया। मैच के बाद उन्होंने कहा, श्इस समय खेल का सबसे मजेदार हिस्सा यही है कि मैं नेट पर आकर अंक जीत पा रही हूं। मैंने अपने खेल के इस हिस्से में काफी सुधार किया है और इस पर गर्व है। वहीं नाओमी ओसाका ने जर्मनी की लौरा सीगमंड को 6–3, 7–6(3) से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। ओसाका ने दबाव के क्षणों में संयमित खेल दिखाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज की। पुरुष एकल में टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव पहले दौर में हारकर बाहर हो गए।

ऑस्ट्रेलिया के एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले मुकाबले में मेदवेदेव को 6–2, 1–6, 6–1, 1–6, 6–4 से हराया। विश्व रैंकिंग में 97वें स्थान पर मौजूद वॉल्टन ने शानदार संघर्ष करते हुए करियर की बड़ी जीत हासिल की। वहीं यूनान के स्टेफानोस सितसिपास भी अगले दौर में पहुंच गए। उनके प्रतिद्वंद्वी अलेक्जांद्र मुलर चोट के कारण मैच पूरा नहीं कर सके। रोलां गैरों में लगातार तीसरे दिन तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई। गर्म मौसम के कारण क्ले कोर्ट तेजी से सूख रहे हैं, जिससे खेल की गति सामान्य से तेज हो गई है।

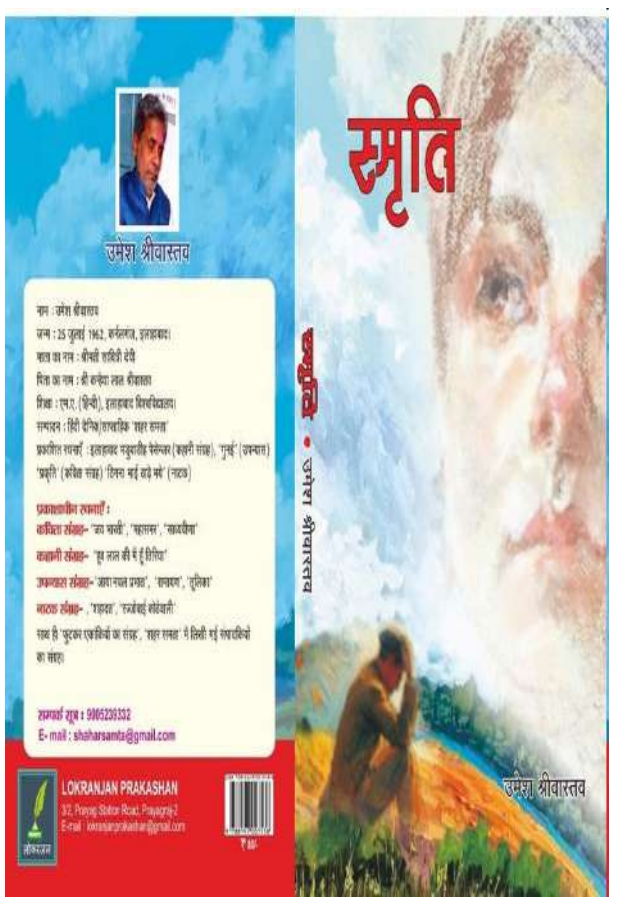

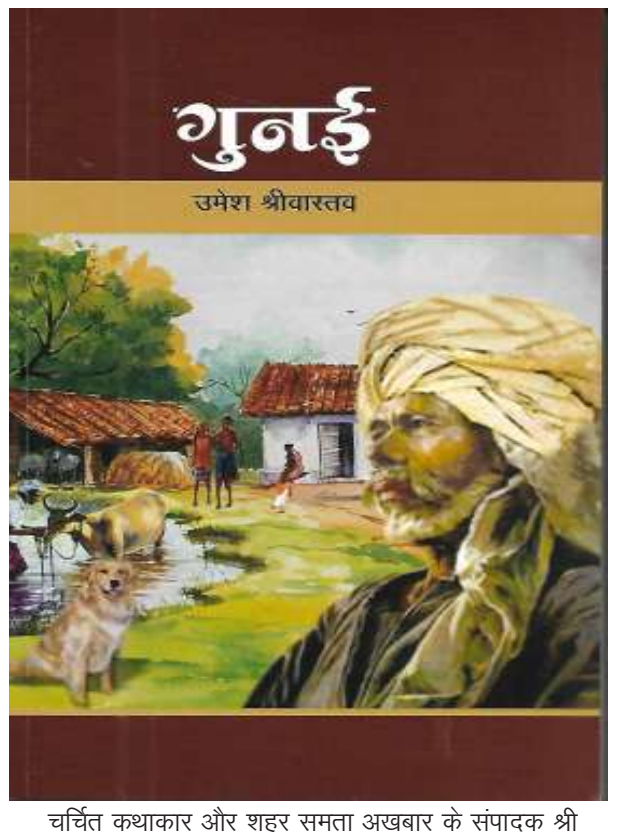

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

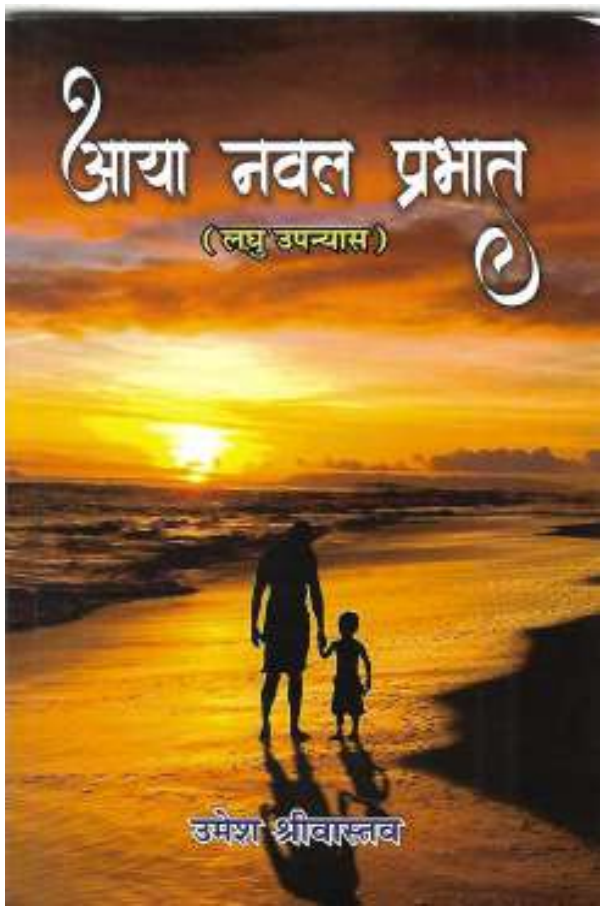

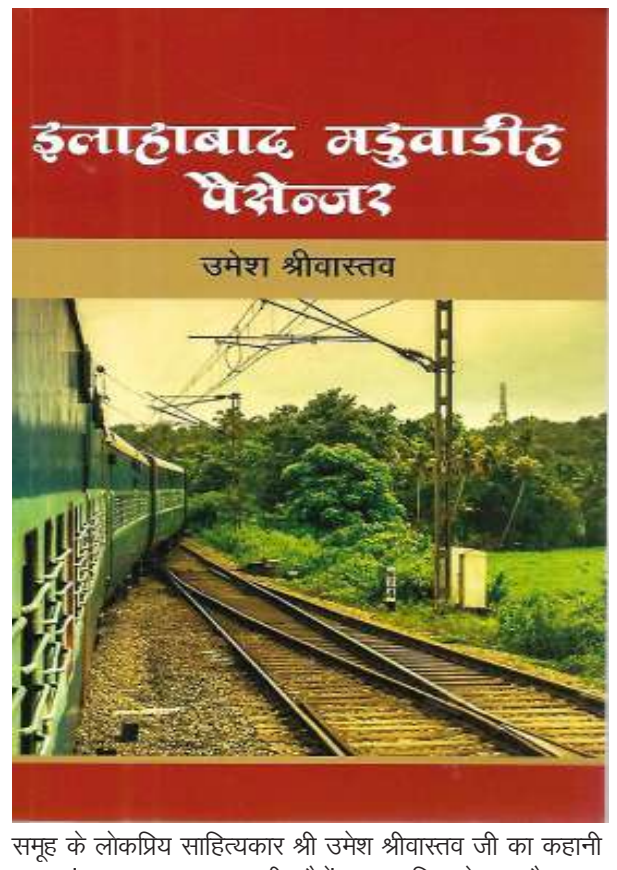

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

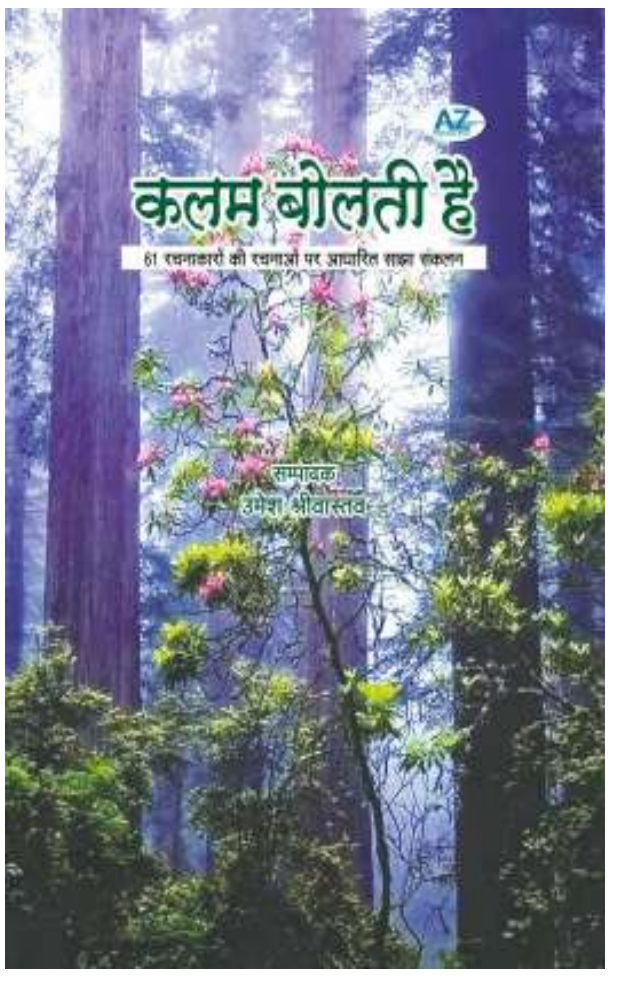

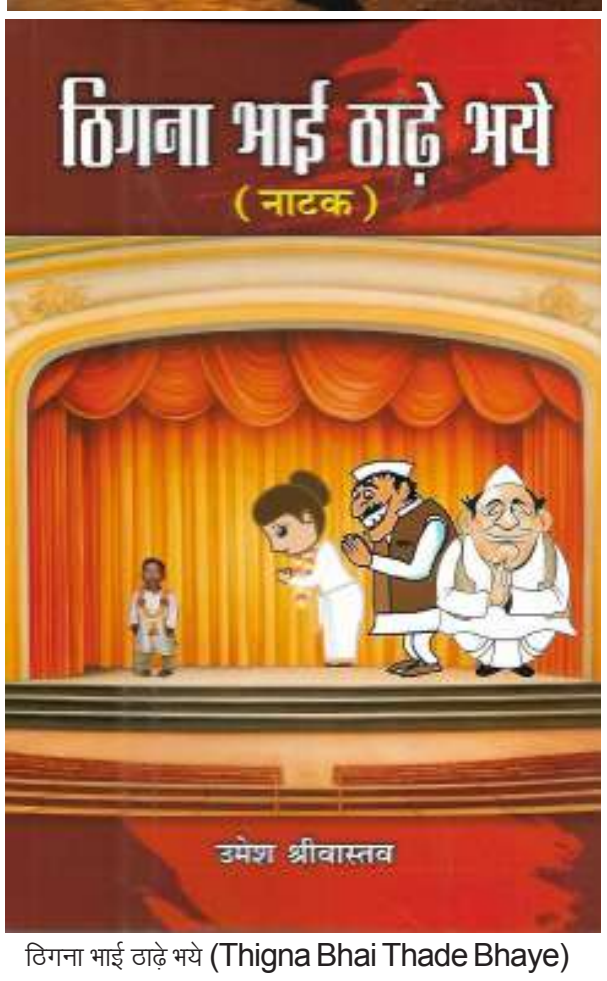

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जारी करना पड़ेगा नया पासपोर्ट? पाकिस्तान के अब्राहम समझौते को नहीं मानने की ये भी है बड़ी वजह

वॉशिंगटन, एजेसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान पर अब्राहम समझौते में शामिल होने का दबाव बनाया है। हालांकि पाकिस्तान ने इससे साफ इनकार कर

दिया है। पाकिस्तान ने कहा है कि इस्राइल को लेकर उनकी दीर्घकालिक नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। साथ ही पाकिस्तान ने कहा है कि वह ऐसी मांगों को मानने के लिए बाध्य नहीं है। दरअसल पाकिस्तान अगर अब्राहम समझौते को मानता है तो उसे न सिर्फ घरेलू स्तर पर लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा बल्कि अपने पासपोर्ट में भी बदलाव करना पड़ेगा। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है? पाकिस्तान को क्यों बदलना पड़ेगा अपना पासपोर्ट? अगर पाकिस्तान अब्राहम समझौते में शामिल होने का फैसला करता है तो उसे तुरंत अपना पासपोर्ट बदलना पडेघ्गा। पाकिस्तान को पासपोर्ट पर अभी इस्राइल की यात्रा करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। पाकिस्तानी पासपोर्ट में साफ लिखा है श्यह पासपोर्ट इस्राइल को छोड़कर दुनिया के सभी देशों में यात्रा के लिए मान्य है।श अगर पाकिस्तान अमेरिका दबाव में अब्राहम समझौते को स्वीकार करता है तो उसे अपने पासपोर्ट में बदलाव करने की जरूरत होगी और इस्राइल की यात्रा पर लगे प्रतिबंध वाले खंड को हटाना होगा। पासपोर्ट में यह बदलाव सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है बल्कि इसमें वीजा, आव्रजन नियम, कांसुलर पहुंच जैसी चीजों में भी बदलाव करना पड़ेगा। यह पाकिस्तान की विदेश नीति में बड़ा बदलाव होगा। क्या है अब्राहम समझौता?

यह 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू किया गया एक समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य इस्राइल और अरब देशों के बीच कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को सामान्य करना है। पहले अरब देशों की यह शर्त हुआ करती थी कि जब तक फलस्तीन के मुद्दे का समाधान नहीं होता, वे इस्राइल को मान्यता नहीं देंगे। लेकिन इस समझौते ने पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग को सबसे ऊपर रखा। फिलहाल इस समझौते में छह देश शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2020 में इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन के बीच हस्ताक्षर के साथ हुई थी। बाद में मोरक्को और सूडान भी इसका हिस्सा बने, और 2025 में कजाखस्तान ने भी औपचारिक रूप से इस समूह को ज्वाइन कर लिया। अब चर्चा में क्यों है अब्राहम समझौता? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि अब अमेरिका चाहता है कि मुस्लिम बहुल देश इस्राइल से अपने संबंधों को सामान्य करें। ट्रंप ने कहा कि उनका प्लान है कि जैसे ही ईरान के साथ कोई डील फाइनल हो, उसके तुरंत बाद सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन जैसे देश भी अब्राहम एकॉर्ड्स का हिस्सा बन जाएं। ट्रंप का दावा है कि इस समझौते से इसमें शामिल देशों में भारी आर्थिक और सामाजिक प्रगति हुई है।

PAK की मध्यस्थता पर सवाल: ट्रंप के करीबी सीनेटर ने कहा- इस्राइल से दुश्मनी का भाव रखता है, ईरान की मदद भी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित सीजफायर वार्ता में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने पाकिस्तान की निष्पक्षता पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस्राइल के प्रति पाकिस्तान

की पुरानी दुश्मनी उसे मध्यस्थ की भूमिका के लिए समस्याग्रस्त बनाती है। ग्रहाम ने कौन सा मुद्दा उठाया? ग्रहाम ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ईरानी सैन्य विमानों को पाकिस्तान के एयरबेस पर जगह दी जा रही है। उन्होंने पाकिस्तान के वरिष्ठ नेताओं के इस्राइल विरोधी बयानों को भी बेहद परेशान करने वाला बताया। पाकिस्तान की भूमिका पर क्या बोले? उन्होंने लिखा कि काफी समय से मुझे लगता रहा है कि पाकिस्तान का मध्यस्थ बनना बेहद समस्याग्रस्त है। इस्राइल के प्रति उनकी दुश्मनी पुरानी है। यह भी साफ है कि ईरानी सैन्य विमान पाकिस्तान के एयरबेस पर मौजूद हैं और पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं के बयान बेहद चिंताजनक हैं। पाकिस्तान ने ठुकराया अमेरिका का अब्राहम समझौता यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें पाकिस्तान से अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होने को कहा गया था। पाकिस्तानी चौनल समा टीवी को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसे किसी समझौते में शामिल होना चाहिए जो हमारी मूल विचारधारा से टकराता हो। पाकिस्तान ने इस्राइल पर जताया अविश्वास उन्होंने इस्राइल पर अविश्वास जताते हुए कहा कि आप उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं जिनकी बात पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता?

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

`निहित स्वार्थों के कारण सुरक्षा परिषद में नहीं हो रहे सुधार', वैश्विक मंच पर भारत की दो-टूक

संयुक्त राष्ट एजेंसी। भारत ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1945 की व्यवस्था में काम कर रही है। यह विश्वसनीयता के संकट का सामना कर रही है। भारत ने आगे कहा कि श्निहित स्वार्थश उन सुधारों को रोक रहे हैं, जिनकी आवश्यकता इसे समकालीन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए है। भारत के प्रतिनिधि ने क्या कहा? भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा, श्परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईएन) में प्रगति की कमी कई सदस्य देशों के यथास्थिति बनाए रखने और आठ दशक पुरानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संरचना को बरकरार रखने के निहित स्वार्थों का संकेत है।श सुधारों में मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र के कुछ सदस्य देशों का एक छोटा समूह बाधा डाल रहा है, जो स्वयं को यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) कहते हैं। इस समूह का नेतृत्व इटली कर रहा है। इसमें पाकिस्तान भी शामिल है। यह समूह बातचीत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए प्रक्रियात्मक दांव-पेच का इस्तेमाल करता है। हरीश परिषद में श्संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखना और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करनाश विषय पर हो रही बहस में बोल रहे थे। भारत के सुधार प्रस्तावों का मुख्य बिंदु परिषद की स्थायी सदस्यता का विस्तार करना है। उन्होंने ने कहा, श्हमें सदस्यता की स्थायी श्रेणी पर ध्यान देना चाहिए और उसका विस्तार करना चाहिए, जिससे इस परिषद की निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव आएगा। उन्होंने आगे कहा, श्बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार न ढलने से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अधिकार, विश्वसनीयता, वैधता और प्रभावशीलता और भी कम हो जाएगी।श महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी परिषद के विश्वसनीयता संकट की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, श्एक सुरक्षा परिषद जो आज की दुनिया की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से नहीं निभा सकती है। उन्होंने कहा, टवैश्विक संस्थानों को आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए, न कि 1945 की वास्तविकताओं को। इस परिषद में यह बात सबसे अधिक जरूरी है।श अफ्रीका के साथ हुए अन्याय का खास रूप से जिक्र करते हुए (जिसे स्थायी सदस्यता से बाहर रखा गया है), गुटेरेस ने कहा, श्सुधार का अर्थ है विश्वसनीयता बहाल करना और यह सुनिश्चित करना कि यह परिषद चार्टर को बनाए रखने के लिए निर्णायक और समावेशी रूप से काम कर सके।श वही भारत के हरीश स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, श्संयुक्त राष्ट्र के सामने आज की चुनौतियों का मूल कारण एक ऐसी संरचना है, जो 1940 के दशक में अटकी हुई है। यह कुछ ऐसा ही है जैसे उन्नत एआई तकनीकों को 1945 के इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटीग्रेटर एंड कंप्यूटर (म्छप्।ब) नामक कंप्यूटर के संस्करण पर चलाना।श मानव जाति के अनुकूलनशीलता के माध्यम से जीवित रहने और फलने-फूलने के लिए जिम्मेदार विकासवादी सिद्धांतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, श्संयुक्त राष्ट्र इस मूलभूत विकासवादी सिद्धांत के प्रति उदासीन नहीं रह सकता। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और उद्देश्यों को सार्थक रूप से पूरा करने के लिए इसे लचीला और अनुकूलनीय होना चाहिए। पुनर्गठित परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की ओर से तर्क देते हुए हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले के समय से लेकर वैश्विक शांति में भारत के योगदान की ओर इशारा किया। परिषद के पांच स्थायी सदस्य द्वितीय विश्व युद्ध के विजेता हैं।

उनके दावे युद्ध में उनकी भूमिकाओं पर आधारित हैं। वहीं, हरीश ने भारतीयों की ओर से किए गए समान बलिदानों को याद करते हुए भारत को भी इसी तरह का दावा करने का आधार दिया। उन्होंने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 25 लाख से अधिक भारतीय सैनिकों ने मित्र देशों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी और 87,000 से अधिक सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसके कारण संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ। उन्होंने कहा, श्यह युद्ध हमारा नहीं था, लेकिन हमने इसकी भारी कीमत चुकाई। इसलिए, हमारे लिए संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य बनना स्वाभाविक था।श उन्होंने आगे कहा, श्यह शांति के लिए हमारी तड़प का प्रतीक था।

`अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक', संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने दी चेतावनी

एजेंसी/संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है। सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद रू गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता

की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है। सुरक्षा परिषद की भूमिका पर उठाए सवाल गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, ष्जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई। इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान कियारू संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता थारू समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

`हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं': रूबियो के इस बयान पर विवाद क्यों? विदेश मंत्रालय को पोस्ट करना पड़ा डिलीट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणियों पर दिया गया बयान अब नए विवाद में घिर गया है। नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए गए उनके श्हर देश में बेवकूफ लोग होते हैंश वाले बयान का वीडियो अमेरिकी विदेश विभाग ने पहले सोशल मीडिया पर साझा किया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उसे हटा दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कवरअप और बयान को दबाने के आरोप लगने लगे। मार्को रूबियो ने क्या बोला था? दरअसल, भारत दौरे पर आए मार्को रूबियो से एक पत्रकार के अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा, ष्मैं इन टिप्पणियों को बहुत गंभीरता से लूंगा। मुझे यकीन है कि ऑनलाइन और अन्य जगहों पर ऐसे लोग हैं जिन्होंने ऐसी टिप्पणियां की हैं। दुनिया के हर देश में मूर्ख लोग होते हैं। मुझे यकीन है कि यहां भी मूर्ख लोग हैंय अमेरिका में भी मूर्ख लोग हैं जो हर समय बेवकूफी भरी टिप्पणियां करते हैं। दुनिया भर से हमारे देश में आने वाले लोगों से हमारा देश समृद्ध हुआ है। अमेरिकी विदेश विभाग ने क्या किया? अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बयान का वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट किया था। लेकिन जैसे ही वीडियो वायरल होने लगा और इस पर बहस तेज हुई, विभाग ने उस हिस्से को हटा दिया जिसमें नस्लभेद से जुड़ा सवाल और रूबियो का जवाब शामिल था। इसी कदम ने विवाद को और बढ़ा दिया। ट्रंप के विवादित पोस्ट से जुड़ा है मामला माना जा रहा है कि पत्रकार का सवाल हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा की गई विवादित पोस्ट से जुड़ा था। उस पोस्ट में अमेरिकी रेडियो होस्ट माइकल सैवेज ने भारत और चीन जैसे देशों को हेल होल कहा था। उन्होंने भारतीय और चीनी प्रवासियों पर भी विवादित टिप्पणियां की थीं। विवाद बढ़ने के बाद मार्को रूबियो ने सफाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट पर लोग कई तरह की पागलपन भरी बातें यानी अजीब बातें करते रहते हैं और हर ऑनलाइन टिप्पणी को आधिकारिक सोच नहीं माना जा सकता। हालांकि, सोशल मीडिया पर कई लोगों ने सवाल उठाया कि अगर बयान में कुछ गलत नहीं था तो अमेरिकी विदेश विभाग ने वीडियो का हिस्सा हटाया क्यों। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ ऑनलाइन नफरत और नस्लभेदी टिप्पणियों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

पाकिस्तान में फिर दबे हिंदू विरासत के निशान, क्यों रुका सड़कों के पुराने नाम लौटाने का फैसला?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में फिर दबे हिंदू विरासपाकिस्तान के लाहौर में सड़कों और गलियों के पुराने ऐतिहासिक नाम बहाल करने की योजना अब कट्टरपंथी दबाव की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। पंजाब सरकार ने कुछ दिन पहले विभाजन से पहले के मूल नाम दोबारा बहाल करने की मंजूरी दी थी, लेकिन विरोध बढ़ने के बाद इस फैसले को फिलहाल रोक दिया गया है। अगर यह योजना लागू होती, तो लाहौर की कई सड़कें और इलाके फिर से अपने पुराने हिंदू और सिख नामों से

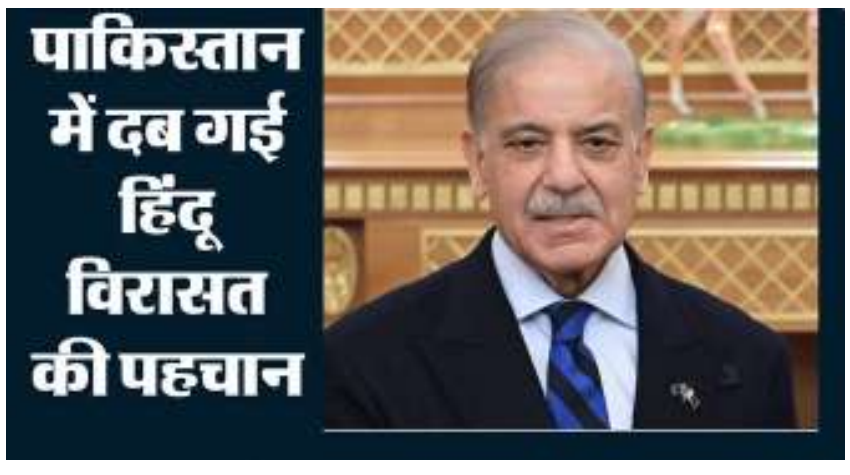

पहचाने जाते। इस पूरे मामले ने पाकिस्तान में इतिहास, पहचान और कट्टरपंथ को लेकर नई बहस छेड़ दी है। आखिर क्या था मरियम सरकार का फैसला?

लाहौर हेरिटेज एरिया रिवाइवल योजना के तहत शहर की पुरानी सांस्कृतिक पहचान वापस लाने की कोशिश की जा रही थी। इसी के तहत पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की संयुक्त बैठक में कई सड़कों और गलियों के पुराने नाम बहाल करने को मंजूरी दी गई थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 20 मार्च को इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की थी। योजना का मकसद बंटवारे से पहले के लाहौर की ऐतिहासिक विरासत को दोबारा सामने लाना था। लेकिन फैसले के सार्वजनिक होते ही कट्टरपंथी संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। सरकार अचानक अपने फैसले से पीछे क्यों हट गई? विरोध बढ़ने के बाद पंजाब सरकार अब अपने पुराने रुख से पीछे हटती दिखाई दे रही है। लाहौर के उपायुक्त ने कहा कि इस मामले में अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और यह विषय विचाराधीन है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ चरमपंथी समूहों ने हिंदू और सिख नामों की बहाली को मजहबी मुद्दा बना दिया। इसके बाद सरकार ने टकराव से बचने के लिए फैसले को फिलहाल टाल दिया। प्रशासन अब इतिहासकारों, वास्तुकारों और विशेषज्ञों से राय लेने की बात कह रहा है। किन सड़कों और इलाकों के नाम बदलने की तैयारी थी?

लाहौर की कई मशहूर सड़कें और इलाके ऐसे हैं, जिनके पुराने नाम हिंदू और सिख विरासत से जुड़े रहे हैं। इनमें कृष्ण नगर, संत नगर, धरमपुरा, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर रोड, मोहन लाल बाजार, भगवानपुरा और शांति नगर जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा क्वीन्स रोड, जेल रोड और डेविस रोड जैसी सड़कों के पुराने नाम भी बहाल करने पर चर्चा थी। अगर यह फैसला लागू होता, तो शहर की पहचान में विभाजन-पूर्व इतिहास की झलक फिर दिखाई देने लगती। क्या पाकिस्तान में इतिहास और मजहब की टकराहट बढ़ रही है?

इस पूरे विवाद ने पाकिस्तान में एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वहां ऐतिहासिक विरासत को मजहबी नजरिए से देखा जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि शहरों के पुराने नाम इतिहास का हिस्सा होते हैं और उन्हें मिटाना सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करना है। वहीं कट्टरपंथी समूह इसे धार्मिक मुद्दा बनाकर विरोध कर रहे हैं। यही कारण है कि सरकार भी खुलकर फैसला लागू करने से बचती दिखाई दे रही है। फिलहाल लाहौर नगर निगम ने विशेषज्ञों और इतिहासकारों की बैठक बुलाकर सुझाव मांगे हैं। सरकार यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि फैसला अभी अंतिम नहीं है। लेकिन जिस तरह विरोध बढ़ा है, उससे साफ है कि पाकिस्तान में विभाजन-पूर्व विरासत को दोबारा स्वीकार करना आसान नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम ने यह भी दिखाया है कि वहां इतिहास और राजनीति का रिश्ता आज भी बेहद संवेदनशील बना हुआ है।

ट्रंप प्रशासन को झटका: फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।